गोरखपुर से प्रकाशित

RNI Reg. NO. UPBIL/2023/87841

साप्ताहिक

स्वदेशी इनक्रेडिबल

सिर्फ सच के साथ...

Web:www.sinews.in/E-mail: info@sinews.in

वर्ष : 03 अंक: 22 | गोरखपुर रविवार 23 नवम्बर 2025 | मूल्य- 02 रूपया | पृष्ठ - 8

न्यूज

15 वर्षीय लड़के की चाकू घोंपकर हत्या, दो संदिग्धों में एक नाबालिग शामिल

नई दिल्ली। उत्तर-पूर्व दिल्ली के ज्योति नगर में शनिवार तड़के कहासुनी होने के बाद एक नाबालिग सहित दो व्यक्तियों ने 15 वर्षीय एक लड़के की कथित रूप से चाकू घोंपकर हत्या कर दी। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि कर्दमपुरी इलाके में हुई इस घटना की सूचना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात मिली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे पता चला कि स्थानीय लोग घायल किशोर को जीटीबी (गुरु तेग बहादुर) अस्पताल ले गए थे जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि कर्दमपुरी के रहने वाले 15 वर्षीय लड़के का दो व्यक्तियों से झगड़ा हुआ था जिसमें एक नाबालिग भी शामिल था। उन्होंने बताया कि झगड़े के बाद उनमें से एक ने उसे कथित तौर पर चाकू मार दिया। पुलिस ने दावा किया है कि उन्हें अपराध में दोनों संदिग्धों की संलिप्तता दर्शाने वाले महत्वपूर्ण सुराग मिले हैं। अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से नमूने इकट्ठा किए हैं और हमले की वजह बनने वाली घटनाओं के क्रम का पता लगाने के लिए मामले में जांच जारी है।

एसयूवी की ट्रक से टक्कर होने के कारण दो लोगों की मौत, पांच घायल

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में जेएनपीए-पनवेल मार्ग पर शनिवार को एक एसयूवी वाहन और एक कंटेनर ट्रक की टक्कर होने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई तथा पांच अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना तब हुई जब एक व्यस्त सड़क पर कथित रूप से तेज रफ्तार से आ रही एक एसयूवी ने एक ट्रक को पीछे से टक्कर मार दी जिससे हितेंद्र संजय पाटिल (22) और श्रीनाथ चंद्रलेखर (22) की मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने बताया कि वे दोनों नवी मुंबई के रहने वाले थे। अधिकारी ने बताया कि घायल व्यक्तियों को तत्काल नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। इन धाराओं के साथ मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों को भी जोड़ा गया है।

बिजनौर में दुष्कर्म का आरोपी पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली। मानसिक रूप से अस्वस्थ्य एक किशोरी के साथ कथित तौर पर बलात्कार करने और उसे गर्भवती करने के एक आरोपी व्यक्ति को शनिवार तड़के यहां पुलिस मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। नजीबाबाद के पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नीतेश प्रताप सिंह ने बताया कि कीरतपुर थाने में 20 नवंबर को एक शिकायत दी गई थी, जिसमें आरोप लगाया गया था कि दूध बिक्री का काम करने वाले यूसुफ छह महीने पहले 16 वर्षीय किशोरी को गन्ने के खेत में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था, जिससे वह गर्भवती हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने यूसुफ को शनिवार तड़के लगभग चार बजे रामा पेपर मिल के पास घेरा तो उसने पुलिस पर गोलीबारी कर दी।

जी20 शिखर सम्मेलन को प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित; विकास के नए मानक गढ़ने का किया आह्वान

सर्वांगीण विकास का सपना सच: मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन को लेकर पीएम मोदी ने सोशल मीडिया एक्स पर कई पोस्ट किए हैं, उन्होंने लिखा- जोहानिसबर्ग, दक्षिण अफ्रीका में हुए जी20 शिखर सम्मेलन के पहले सत्र में मैंने हिस्सा लिया। यह सत्र समावेशी और सतत विकास पर केंद्रित था। अफ्रीका पहली बार जी20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है- ऐसे में अब सही समय है कि हम अपने विकास के मापदंडों को फिर से सोचें और ऐसा विकास चुनें जो सबको साथ लेकर चले और धरती के संतुलन को बनाए रखे। भारत के प्राचीन विचार, खासकर समग्र मानववाद का सिद्धांत, हमें आगे का रास्ता दिखाता है। मैंने कुछ ठोस सुझाव रखे ताकि सर्वांगीण विकास का सपना सच हो सके। सबसे पहले- जी20 ग्लोबल ट्रेडिशनल नॉलेज रिपॉजिटरी बनाने

का प्रस्ताव। भारत के पास पारंपरिक ज्ञान का विशाल खजाना है। यह पहल हमारी सामूहिक बुद्धि को आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में मदद करेगी और बेहतर स्वास्थ्य व जीवनशैली का मार्ग खोलेगी। अफ्रीका की प्रगति, दुनिया की प्रगति है। भारत हमेशा अफ्रीका के साथ खड़ा रहा है। मुझे गर्व है कि भारत की जी20 अध्यक्षता के दौरान ही अफ्रीकन यूनियन को जी20 में स्थायी सदस्यता मिली। इसी भावना को आगे बढ़ाते हुए, भारत ने जी20 - अफ्रीका कौशल गुणक पहल का प्रस्ताव रखा है। हमारा सामूहिक लक्ष्य होना चाहिए कि आने वाले दस वर्षों में अफ्रीका में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षकों को तैयार किया जाए। भारत ने जी20 वैश्विक स्वास्थ्य प्रतिक्रिया टीम बनाने का भी सुझाव दिया है। स्वास्थ्य संकटों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना हम मिलकर ही बेहतर कर सकते हैं। उद्देश्य यह होना चाहिए कि जी20 देशों के प्रशिक्षित मेडिकल विशेषज्ञों की टीमें तैयार रहें, जिन्हें किसी भी आपात स्थिति में तुरंत भेजा जा सके।

'निकाय चुनाव में मतदान से पहले ही पार्टी के 100 पार्षद निर्विरोध जीते', भाजपा का दावा

एजेंसी

नई दिल्ली। महाराष्ट्र भाजपा के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने दावा किया है कि निकाय चुनाव से पहले ही राज्य भर में म्युनिसिपल काउंसिल और नगर पंचायतों में सत्ताधारी पार्टी भाजपा के 100 पार्षद निर्विरोध चुन लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि तीन नगर पालिका के अध्यक्ष भी निर्विरोध चुन लिए गए हैं। शुक्रवार को निकाय चुनाव में नामांकन वापस लेने का आखिरी दिन था।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने संगम पर की पूजा, माघ मेले की तैयारियों का लिया जायजा

संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आगामी माघ मेले की तैयारी की समीक्षा करने और कुछ मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए शनिवार की सुबह संगम नगरी पहुंच गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को प्रयागराज पहुँचकर मेला क्षेत्र में स्टीमर से माघ मेले की तैयारियों को जायजा लिया और साथ ही साइबेरियन पक्षियों को दाना खिलाया। श्री योगी ने 11 ब्राह्मणों के मंत्रोच्चार के बीच संगम नोज पर गंगा पूजन किया। मां गंगा को दूध अर्पित किया। मुख्यमंत्री आज सुबह 10 बजे प्रयागराज के बमरौली एयरपोर्ट पहुंचे।

यहां से सबसे पहले योगी सिविल लाइंस के होटल कान्हा-श्याम पहुंचे। यहां उच्च न्यायालय के सीनियर न्यायाधीश एम.सी. त्रिपाठी की बेटी के शादी कार्यक्रम में शामिल हुए। योगी ने दूल्हा-दुल्हन को आशीर्वाद दिया। करीब 30 मिनट तक कार्यक्रम में रुकने के बाद भाजपा विधायक हर्षवर्धन बाजपेयी के घर पहुंचे। यहां पास में ही बनाए गए एक मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल हुए। हनुमान जी की पूजा-अर्चना की। यहां से सीधे मुख्यमंत्री माघ मेला क्षेत्र पहुंचे।

भाजपा, निर्वाचन आयोग सपा के जीते हर विधानसभा क्षेत्र में वोट काटने की कर रहे साजिश: अखिलेश यादव

संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शनिवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार और निर्वाचन आयोग मिलकर साजिश के तहत उन विधानसभा क्षेत्रों में एसआईआर के बहाने 50 हजार से अधिक वोट काटने की तैयारी कर रहे हैं, जहां 2024 में लोकसभा चुनाव में सपा और इंडिया गठबंधन जीते थे। सपा मुख्यालय में अपने पिता एवं पार्टी संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने दावा किया कि यह जानकारी मिली है कि उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल में भाजपा ने निर्वाचन आयोग के साथ मिलकर बड़ी तैयारी की है। उन्होंने आयोग से मांग की कि उत्तर प्रदेश में

एसआईआर प्रक्रिया के लिए समय और बढ़ाया जाए। आंकड़ों के अनुसार, 2022 के विधानसभा चुनाव में 255 सीटें जीतने वाली भाजपा को 2024 के लोकसभा चुनाव में सिर्फ 162 विधानसभा सीटों पर ही बढ़त मिली जबकि विधानसभा चुनावों में 111 सीट जीतने वाली सपा ने लोकसभा चुनाव में 183 विधानसभा सीटों पर सर्वाधिक मत पाने का रिकॉर्ड बनाया। तब 2022 में सिर्फ दो सीट जीतने वाली कांग्रेस ने भी लोकसभा चुनावों में 40 विधानसभा सीटों पर बढ़त बनायी। यादव ने आरोप लगाया कि भाजपा के लोग जब मुद्दों पर और जनता के बीच हारने लगे, तो साजिशन एसआईआर ले आये। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, निर्वाचन आयोग से हम अपेक्षा करते हैं कि वह निष्पक्ष रहेगा और यह संस्था हमारी हर शिकायत का निराकरण करेगी, लेकिन यह सुनने में आ रहा है कि भाजपा और आयोग 2024 की हार के बाद सबसे ज्यादा पश्चिम बंगाल और उप्र पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।

मणिपुर में ताकतवर समूह अवैध प्रवासियों के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे: बीरेन सिंह

एजेंसी

नई दिल्ली। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में

अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं। सिंह ने यह भी कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने शुक्रवार शाम एक्स पर एक पोस्ट में कहा, जब मैंने अपने नेतृत्व वाली राजग सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तो पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। सिंह ने कहा, आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझा है और सख्त कार्रवाई की है।

सम्पादकीय...

चुनौतियों वाली पारी

आखिरकार सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार इतिहास के पन्नों में दर्ज हो गए। जदयू सुप्रीमो ने मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के साथ ही सत्ता का एक नया कार्यकाल शुरू कर दिया। यद्यपि हालिया चुनाव में भाजपा ने जदयू से ज्यादा सीटें हासिल करके सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उपस्थिति दर्ज करायी है, लेकिन इसके बावजूद चार कम सीट जीतने वाले जदयू के 74 वर्षीय दिग्गज को मुख्यमंत्री बने रहने देना ही बेहतर समझा है। वहीं सहयोगी दल भाजपा से सम्राट चैधरी और विजय कुमार सिन्हा के उपमुख्यमंत्री पद बरकरार रहे। निस्संदेह, नीतीश का पिछला कार्यकाल उतार-चढ़ाव भरा रहा था। उन्होंने पहले भाजपा के साथ सरकार बनायी और मनभेद के चलते महागठबंधन में शामिल हुए। फिर पलटी लेकर भाजपा के साथ सरकार में शामिल हो गए थे। इसके बावजूद बिहार की जनता ने उनकी इस उलट-पलट को माफ ही कर दिया। संभवतरू उनकी इस अपील पर वोट दिया कि यह उनकी आखिरी पारी है। जनता ने उनके नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार के स्थायित्व पर भरोसा जताया। शायद बिहार की जनता जंगल राज के दुरूस्वप्न को नहीं भूली है। एक बात तो तय है कि राज्य की जनता ने तमाम किंतु-परंतुओं के बावजूद बिहार के भविष्य के लिये उन्हें बेहतर माना है। यही वजह है कि रिकॉर्ड दसवीं बार शपथ लेने वाले नीतीश को बधाई देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें सुशासन के सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाला एक अनुभवी प्रशासक बताया है। लेकिन राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे हैं कि भाजपा कब तक छोटे भाई की भूमिका में रहेगी? विपक्ष को संदेह है कि नीतीश शायद ही अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्हें आशंका है कि भाजपा किसी न किसी स्तर पर बिहार में पार्टी का मुख्यमंत्री बनाना चाहेगी। राजनीतिक विश्लेषक महाराष्ट्र का उदाहरण देते हैं, जहां भाजपा ने पहले शिवसेना के एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया और बाद में उन्हें हटाकर देवेंद्र फड़नवीस को कुर्सी पर बैठा दिया। वहीं कुछ राजनीतिक पंडितों का तर्क है कि भाजपा के पास केंद्र में पूर्ण बहुमत नहीं है, इसलिए एनडीए सरकार को सहारा देने के लिये भाजपा को नीतीश के समर्थन की जरूरत बनी रहेगी। इस बात से यह निष्कर्ष निकाला जा रहा है कि जदयू अपना अस्तित्व बचाये रखने के लिये बेहतर स्थिति में है। बहरहाल, नीतीश की तात्कालिक प्राथमिकताएं बेरोजगारी दूर करने और पलायन पर अंकुश लगाने की होनी चाहिए। हकीकत यह है कि राज्य में रोजगार संकट के चलते बिहार के तीन घरों में से दो का एक सदस्य दूसरे राज्य में काम करने को मजबूर है। साथ ही नीतीश को सरकार बनाने में भरपूर समर्थन देने वाली महिलाओं की आकांक्षाओं के अनुरूप, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के प्रमुख चुनावी वायदे को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करना चाहिए। इसके अलावा उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि जदयू मजबूत और अक्षुण्ण बना रहे। यह अवश्यंभावी है कि भाजपा और चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी उन्हें सतर्क बनाए रखेगी। भाजपा के मन में यह कसक जरूर रहेगी कि सबसे बड़े दल के रूप में उदय होने पर भी पार्टी बिहार में अब तक अपनी सरकार नहीं बना पायी है। ऐसे में नीतीश को बाहरी विपक्षी से तो नहीं, गठबंधन के दलों की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं से जूझना पड़ेगा।

राशिफल

मेषः- काफी दिनों से अवरोधित कोई हल होने के आसार बनेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्कता अपेक्षित है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा में किया गया प्रयत्न सार्थक होगा। रोजगार में लाभकारी अवसर मिलेंगे।

बृषभः- भावुकता व्यावहारिक जगत के अनुकूल चलने में बाधक होगी। अतः व्यवहार कुशल बने। भविष्य संबंधी कुछ चिंताएं मन पर प्रभावी होंगी। विद्यार्थी शिक्षा में लापरवाही न बरतें। घर में खुशहाल वातावरण रहेगा।

मिथुनः- मूल्यवान समय को व्यर्थ के कायरें में जाया न करें। नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी। सकारात्मक सोच को अपनाते हुए जीवन को सही दिशा की ओर केंद्रित करें और परिवार के अनुकूल चलें।

कर्कः- नये व्यावसायिक संबंध प्रगाढ़ होंगे। संवेदनशील शरीर ग्रहां की प्रतिकूलता से बीमार पड़ सकता है। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। पुरानी घटनाओं से मन को कष्ट संभव।

सिंहः- नयी घरेलू जिम्मेदारियों के पैदा होने से व्यय संभव। अच्छे कायरें से परिजनों के दिल में जगह बनायें। योजनाओं के फलीभूत होने से मन प्रसन्न होगा। महत्वपूर्ण कायरें में लापरवाही कतई न करें।

कन्याः- जीवनसाथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें। नये कायरें के क्रियान्वयन हेतु प्रयत्न तीव्र होगा। नये क्षेत्रों में प्रयास से लाभ संभव। व्यावसायिक यात्रा द्वारा लाभ होगा। संबंधियों के सहयोग से कठिनाइयां दूर होंगी।

तुलाः- भविष्य को लेकर मन नकारात्मक आशंकाओं से प्रभावी रहेगा। प्रतिभाओं के बावजूद भी हीन भाव प्रतिभाओं के लाभ से वंचित करेगा। सुख-साधनों की लालसा बढ़ेगी। रोजगार में व्यस्तता रहेगी।

वृश्चिकः- रोजगार संबंधी कुछ नयी योजनाओं पर मन केंद्रित होगा। किसी कार्य में सफलता से उत्साह में वृद्धि होगी। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जगत के अनुकूल चलने का प्रयत्न करें। भौतिक सुख में वृद्धि होगी।

धनुः- अपनी बातूनी कला का लाभ उठाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य की पूर्ति में असमर्थता जैसी स्थिति मन को निराश करेगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ का योग है। समस्याओं के समाधान से उत्साह में वृद्धि होगी।

मकरः- बीती बातों को सोचने के बजाय वर्तमान में जीने की चेष्टा करें। जरूरत से ज्यादा बोलना व्यक्तित्व पर कुप्रभावी होगा। अतरू इसे सुधारें। नीरस स्वभाववश रचनात्मक योजनाओं को सार्थक करने में असमर्थ होंगे।

कुंभः- सब कुछ सामान्य होते हुए भी मन अरुचि का शिकार होगा।

डिजिटल गार्ड हो गये फेल, साइबर सुरक्षा की कमजोरी हुई उजागर

के रवींद्रन

पॉलिसी और कॉपोरेट-गवर्नेंस के

नजरिए से इसके मतलब जानना बहुत जरूरी हैं। बोर्ड और सीनियर एग्जीक्यूटिव को थर्ड-पार्टी साइबर-प्रोवाइडर्स और इंफ्रास्ट्रक्चर सर्विसेज को सिर्फ वेंडर्स के तौर पर नहीं, बल्कि उन जरूरी डिपेंडेंसीज के तौर पर मानना चाहिए जिन पर कड़ी निगरानी की जरूरत है। ड्यू-डिलिजेंस और वेंडर-रिस्क मैनेजमेंट को कॉन्ट्रैक्ट वाले सर्विस लेवल एग्रीमेंट्स से आगे बढ़कर वेंडरफेलियर के लिए सिनेरियो-प्लानिंग तक बढ़ाना होगा। साइबर-सिक्योरिटी फर्म और वेब-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदाता कंपनी द्वारा की गई रुकावट एक गंभीर याद दिलाती है कि किस प्रकार रक्षक भी कमजोर हैं। 19 जुलाई 2024 को क्राउड स्ट्राइक ने अपडेट से जुड़ा ब्लैकआउट किया था, जिससे कुल मिलाकर 5.4अरब डालर से ज्यादा का नुकसान हुआ। ट्रांसपोर्ट फर्म, बैंक और अस्पताल ठप हो गए क्योंकि दुनिया भर में सिस्टम क्रैश हो गए और ऑपरेशन रुक गए। अब 18 नवम्बर 2025 कोदुनिया भर में आउटेज के लिए, क्लाउडफ्लेयर, जो इसी तरह के ऑपरेशन में लगा हुआ था, जिम्मेदार था क्योंकि वेब-सर्विस प्रोवाइडर ने हजारों वेबसाइटों को ऑफ लाइन कर दिया, कुछ मर्जर और एरिक्वजिशन प्रोसेस को रोक दिया और एक इंफ्रास्ट्रक्चर लेयर पर ग्लोबल बिजनेस की निर्भरता को उजागर कर दिया। ये दोनों घटनाएं हमारी डिजिटल नेटवर्क की दुनिया की एक बड़ी उलझन को उजागर करती हैंः साइबर-खतरों के रखवालों को ही अब खुद को बचाने की जरूरत है। इनमें से पहली घटना सिक्योरिटी वेंडर के फ्लैगशिप प्लेटफॉर्म से जुड़ी थी, जिसने माइक्रोसॉफ्ट विंडो एनवायरनमेंट में एक गलत सॉफ्टवेयर अपडेट डाल दिया था। उस अपडेट की वजह से लाखों डिवाइस क्रैश हो गए या काम करना बंद कर दिया, जिससे बड़ी एयरलाइंस, हेल्थकेयर सिस्टम और फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन पर असर पड़ा। अकेले एक बड़ी एयरलाइन ने कई दिनों तक हजारों फ्लाइट्स कैंसिल करने के बाद करीब आधा अरब डॉलर का नुकसान बताया। इसका असर तुरंत डाउनटाइम से कहीं ज्यादा थाः हॉस्पिटल मरीजों के हेल्थ-रिकॉर्ड्स को एक्सेस नहीं कर पा रहे थे, पेमेंट प्रोसेस नहीं हो पा रहे थे, और ऑपरेशनल कंट्रोल रूम बंद हो गए थे। घटना के बड़े लेवल ने दिखाया कि इंफ्रास्ट्रक्चर सॉफ्टवेयर में एक भी खराबी पूरे सेक्टर में सिस्टम-वाइड पैरालिसिस का कारण बन सकती है। दूसरी घटना वेब-इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोवाइडर से जुड़ी थी, जिसका नेटवर्क ग्लोबल वेब-ट्रैफिक का लगभग पांचवां हिस्सा हैंडल करता है। 'अजीब ट्रैफिक' में बढ़ोतरी से इंटरनल डिग्रेडेशन हुआ, जिसके नतीजे में सोशल-मीडिया नेटवर्क, एआई-टूल्स और स्ट्रीमिंग सर्विस जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर एरर मैसेज आए। यूजर-ट्रैकिंग टूल्स में हजारों रिपोर्ट सामने आईं, और जबकि कंपनी ने खराबी को ठीक करने के लिए जल्दी कदम उठाए, बीच का नुकसान दिखाता है कि कैसे कंसन्ट्रक्टेड डिपेंडेंसी ग्लोबल ऑपरेशन को कमजोर कर सकती है। दोनों ही मामलों में कंपनियों को सुरक्षा के लिए बनाया गया था—एक साइबर-खतरों से, दूसरी वेब-इंफ्रास्ट्रक्चर में रुकावट से—लेकिन उनकी नाकामियों ने साबित कर दिया कि कोई भी कंपनी सुरक्षित नहीं है। इन घटनाओं से कई सबक सीखे जा सकते हैं। पहला, लचीलापन और रिडंडेंसी पूरी तरह से वेंडर्स पर नहीं डाली जा सकती। जो ऑर्गनाइजेशन सिंगल-वेंडर सॉल्यूशन या इंफ्रास्ट्रक्चर के मोनोकल्चर पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं, अगर वह वेंडर फेल हो जाता है तो वे खतरे में पड़ जाते हैं। उदाहरण के लिए, जो एयरलाइंस सिक्योरिटी वेंडर के प्लेटफॉर्म पर बहुत ज्यादा निर्भर थीं, वे खुद को विवश पाती थीं क्योंकि मैनुअल फॉलबैक सिस्टम नहीं थे या काफी नहीं थे। दूसरा, जब किसी वेंडर को खास तौर पर गलत हमलों को रोकने का काम सौंपा जाता है, तब भी उस वेंडर की अपनी मजबूती को मिशन-क्रिटिकल माना जाना चाहिए। यह मानना कि साइबर-डिफेंडर फेल होने से परे है, अब सही नहीं है। तीसरा, सिस्टमिक रिस्क इंफ्रास्ट्रक्चर कंट्रोल के कंसट्रेशन में होता है। जब एक फर्म के पास बहुत ज्यादा ट्रैफिक या प्रोटेक्शन होता है—चाहे वह वेब-ट्रैफिक का 20 परसेंट हो या बड़ी कंपनियों का 60परसेंट—तो सिस्टम के फेल होने के तरीके सिर्फ अलग-अलग नहीं, बल्कि ग्लोबल हो जाते हैं। चौथा, सही टेस्टिंग सिस्टम, फेज में रोल-आउट और ट्रांसपेरेंट कम्युनिकेशन बुनियादी हैं। सिक्योरिटी-सॉफ्टवेयर मामले में कंपनी ने माना कि उसका अपडेट डिप्लॉयमेंट गलत हो गया था; रिपल डैमेज एक कॉन्फिगरेशन फाइल में खराबी के बाद हुआ जिससे कैस्केडिंग मशीन क्रैश होने लगीं। वेब-ट्रैफिक प्रोवाइडर का पोस्ट-मॉर्टम भी इसी तरह असामान्य ट्रैफिक में बढ़ोतरी की ओर इशारा करता है जिसे उसके सिस्टम बिना गलती के एब्जॉर्ब नहीं कर सके।

कुछ खास...

देश सेवा- नौकरी के साथ भी, नौकरी के बाद भी

सात अगस्त 2025 को भारतीय राजनीति में एक अभूतपूर्व घटना हुई थी। नेता प्रतिपक्ष

राहुल गांधी ने एक प्रेस कांफ्रेंस बुलाकर 1 घंटे 11 मिनट तक कर्नाटक की महादेवपुरा विधानसभा सीट पर 22 पन्नों का प्रजेंटेशन दिया था। राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि इस सीट पर 6.5 लाख वोट में से 1 लाख वोटों की चोरी हुई है। कांग्रेस के शोध में यहां एक लाख के करीब गलत पते और एक ही पते पर थोक मतदाताओं और नकली मतदाताओं का पता चला। जिसका पूरा खुलासा राहुल गांधी ने किया था। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनावों में मतदाता सूची में हेर फेर करके भाजपा ने चुनाव जीता है, यह आरोप तो विपक्ष पहले से लगा रहा था। लेकिन यह पहली बार था जब किसी एक सीट का इस तरह पूरा कच्चा-चिट्ठा मीडिया के जरिए देश के सामने रखा था। राहुल गांधी के इस खुलासे के फौरन बाद ही चुनाव आयोग ने इस पर फेक और मिसलीडिंग यानी फर्जी और भ्रामक होने का ठप्पा तो लगा दिया, साथ ही एक प्रेस कांफ्रेंस कर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राहुल गांधी को एक सप्ताह के भीतर हलफनामा पेश करने कहा था। जबकि राहुल गांधी का कहना था कि वे कोई हलफनामा पेश नहीं करेंगे, उन्होंने अपनी बात सबूतों के साथ रखी है, अब दारोमदार चुनाव आयोग पर है कि वह इसे या तो गलत साबित करे या फिर अपनी गलती माने। लेकिन चुनाव आयोग ने ऐसा कुछ नहीं किया।अगस्त के बाद सितम्बर और इसी महीने की 4 तारीख को राहुल गांधी ने दो और प्रेस वाताएं की और उन दोनों में फिर से इसी तरह की मतदाता सूची की गड़बड़ी को दिखाया, जिसके बूते भाजपा ने चुनाव जीता। राहुल गांधी केवल मुंहजबानी आरोप नहीं लगा रहे, बल्कि सबूतों के साथ उसे मीडिया के सामने रख रहे हैं। अपनी तीनों प्रेस वाताओं में राहुल मंच पर अकेले ही थे और पत्रकारों को खुला अवसर दिया गया कि वे राहुल गांधी से प्रश्न-प्रतिप्रश्न करें, उन पर तीखे सवाल दागें, उन पर आरोप लगाएं कि कांग्रेस कई राज्यों में हार चुकी है, इसलिए ऐसे आरोप लगा रही है। यानी पत्रकारों के पास पूरा मौका था कि वे अपने सवालों से राहुल गांधी को ऐसा घेरें कि उन्हें जवाब देना मुश्किल हो जाए। लेकिन ऐसा एक ही सूरत में हो सकता है जब राहुल गांधी के पास कोई जवाब न हो, या अपने बचाव में सामने रखने के लिए तथ्य न हों। आंकड़ें, तथ्य और सबूत तीनों से लैस होकर ही राहुल गांधी ने पत्रकारों का सामना किया, इसलिए अब तक किसी ने भी उन्हें गलत साबित नहीं किया। जबकि भाजपा ने चुनाव आयोग पर लगते हर आरोप पर आगे बढ़कर सफाई दी और इसमें राहुल गांधी पर निशाना साधा कि वे संवैधानिक संस्था को बदनाम कर रहे हैं।अब भाजपा का परोक्ष साथ देते हुए 272 लोगों का एक खुला खत सामने आया है। खुद को नागरिक समाज यानी सिविल सोसाइटी का नुमांइदा बताने वाले इस खत के हस्ताक्षरकताओं में सेवानिवृत्त जज, नौकरशाह, सैन्य अधिकारी शामिल हैं। खत में कहा गया कि चुनाव आयोग भारत की चुनाव प्रणाली का सबसे अहम स्तंभ है। उस पर बार-बार सवाल उठाने से जनता का भरोसा कमजोर होता है और लोकतंत्र को नुकसान पहुंचता है। इस खुली चिट्ठी में लिखा है कि पहले सेना, फिर न्यायपालिका और संसद पर सवाल उठाए गए, और अब चुनाव आयोग को निशाना बनाया जा रहा है। यह एक श्खतरनाक चलनश बन गया है, जिसमें चुनावी हार को छिपाने के लिए संस्थाओं की साख पर हमला किया जा रहा है।

इस बार जुड़वा बच्चों की मां बनेंगी भारती सिंह?

पति हर्ष लिंबाचिया का शॉकिंग रिएक्शन-मजा ही आ जाएगा

कॉमेडियन भारती सिंह इन दिनों प्रेग्नेंसी फेज को एंजॉय कर रही हैं। वो जल्द ही अपने दूसरे बच्चे को जन्म देंगी, जिससे न सिर्फ उनका परिवार बल्कि कपल के फैंस भी बेहद एक्साइटेड हैं। इसी बीच हाल ही में भारती ने यूट्यूब पर एक व्लॉग शेयर किया, जिसमें वो अपने होने वाले बेबी के बारे में बातें कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने ट्विंस बेबी के बारे में बात की, जिस पर पति हर्ष लिंबाचिया ने भी शानदार जवाब दिया। अपने नए व्लॉग में भारती सिंह के साथ उनका बेटा गोला और पति हर्ष लिंबाचिया नजर आ रहे हैं। इस दौरान वह अपने बेटे से पूछती हैं, तुम्हें भाई चाहिए या बहन। इस पर गोला बोलता हैं, मुझे भाई-बहन दोनों चाहिए। गोला की बात सुनकर भारती कहती हैं-ये सबको गुमराह करता है। मीडिया में जाकर भी ऐसा ही कहता है। उन्हें लगता है हमारे ट्विन्स होने वाले हैं। भारती की इस बात पर उनके पति हर्ष बोलते हैं, हो भी सकता है कि हो जाए। वीडियो में आगे वह कहती हैं कि इतनी बार सोनोग्राफी करवाई है और हमेशा एक ही बच्चा दिखा है। अब ऐसा तो नहीं हो सकता ना कि दूसरा बच्चा साइड में चिपका हो। इसके बाद भारती अपनी हाउस हेल्प रूपा को बुलाती हैं और कहती हैं, दीदी अगर हमने आपसे छुपाया हो कि हमारे एक नहीं दो बच्चे होने वाले हैं तो आपका कैसा रिएक्शन होगा? इसके जवाब में वह कहती हैं- शॉकिंग। इसके बाद भारती सिंह अपने पति से ट्विन्स से जुड़ा सवाल पूछती हैं कि अगर दो बच्चे हो जाए तो क्या तुम्हें अच्छा लगेगा? इस पर हर्ष कहते हैं कि ऐसे तो मजा ही आ जाएगा। हर्ष का रिएक्शन देखकर भारती हैरान रहती हैं और बोलती हैं, हां तुम्हें तो उनके साथ गंदगी करनी है और समेटना तो हमें ही है।श इस पर हर्ष कहते हैं कि हां घर में बच्चे ही बच्चे होंगे। बता दें, भारती सिंह ने दिसंबर 2017 में गोवा में लेखक-निमार्ता हर्ष लिम्बाचिया से शादी की थी। इसके बाद कपल ने 3 अप्रैल, 2022 को अपने पहले बच्चे, लक्ष्य का स्वागत किया। वहीं, अब बेटे के जन्म के 3 साल बाद भारती-हर्ष अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने को पूरी तरह तैयार हैं।

आप हर किसी को खुश नहीं कर सकते...

• धुरंधर ट्रेलर की आलोचनाओं पर बोलीं एक्ट्रेस सौम्या टंडन

एक्टर रणवीर सिंह इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म धुरंधर को लेकर खूब चर्चा में हैं। हाल ही में उनकी इस फिल्म का धांसू ट्रेलर रिलीज हुआ है, जिसमें जबरदस्त एक्शन और हिंसक सीन्स देखने को मिल रहे हैं। इस ट्रेलर को देखने के बाद कई यूजर इसकी तारीफ करते नजर आ रहे हैं तो कई इस जमकर आलोचना करते दिख रहे हैं। इसी बीच फिल्म में अहम किरदार निभा रही सौम्या टंडन ने इन आलोचनाओं के बारे में खुलकर बात की है। आलोचना को लेकर सौम्या टंडन ने कहा कि, कुछ लोग हॉरर फिल्म देखते हैं, कुछ नहीं देखते। कुछ लोगों को एक्शन मूवी पसंद है और कुछ इसे नापसंद करते हैं, लेकिन आप सामान्य तौर पर देखें तो ये तय है कि आप हर किसी को तो खुश नहीं कर सकते। आपको ये अच्छा लगता है तो जाइए और देखिए। ऐसा नहीं हो सकता कि कुछ लोगों को पसंद नहीं है तो वो चीज मार्केट में ही ना आए। सौम्या टंडन ने आगे कहा कि, मुझे लगता कि अगर फिल्म में मारधाड़ और एक्शन सीक्वेंस बिना सिर पैर के हैं और स्टोरी से कनेक्ट नहीं करते तो ये गलत होगा। लेकिन अगर ये स्टोरी की डिमांड है और नेचुरल तरीके से होता है तो फिर ये जरूरी है और धुरंधर के एक्शन सीक्वेंस ऐसे ही पिरोये गए हैं। वहीं, फिल्म में रणवीर सिंह संग काम करने को लेकर सौम्या टंडन ने कहा कि ये फिल्म उनके लिए भी बहुत अहम और मुश्किल रही। उन्होंने इस फिल्म के लिए जीतोड़ मेहनत की है। इस फिल्म में सीन्स के लिए बेहद ज्यादा एनर्जी की जरूरत थी। हमारी थोड़ी बात हुई लेकिन वो बेहद कम बोलते थे, शायद वो शूटिंग के लिए अपनी एनर्जी बचा रहे थे। वो बहुत ही प्यारे और सपोर्टिंग एक्टर हैं। अक्षय खन्ना के साथ काम के अनुभव को लेकर भी सौम्या ने कहा कि वो जब शूटिंग करते हैं तो एक तरह का जादू स्क्रीन पर बिखेर देते हैं। तब आपको पता चलता है कि आप जिसके साथ खड़े हैं काम कर रहे हैं, वो खुद एक धुरंधर है।

संजय कपूर की विरासत की जंग में करिश्मा कपूर के सपोर्ट में उतरी एक्स ननंद, कही बेहद बड़ी बात

दिवंगत बिजनेसमैन संजय कपूर की प्रॉपर्टी को लेकर अब उनकी बहन ने मंदिरा कपूर स्मिथ ने बड़ा बयान दिया है। मंधीरा ने संजय और करिश्मा के तलाक के बारे में भी कुछ नए खुलासे किए। उन्होंने संजय को वुमेनाइजर कहने वालों को भी खरी-खोटी सुनाई। संजय कपूर के निधन के बाद करिश्मा के बच्चों ने भी संजय कपूर की प्रॉपर्टी पर अपना हक मांगा है और प्रिया सचदेव कपूर के खिलाफ याचिका दर्ज की है। पूजा चैधरी के साथ पॉडकास्ट इनकंट्रोवर्शियल में मंधीरा कपूर स्मिथ की मौजूदगी का एक क्लिप सोशल मीडिया पर शेयर किया गया, जिसे करीना कपूर ने भी लाइक किया है। इससे मंधीरा के आरोपों के लिए उनका समर्थन दिखा और पहले से ही सुर्खियों में चल रहे झगड़े पर नया ध्यान गया। वीडियो में मंधीरा ने एस्टेट विवाद पर अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा- ष्अगर इन लोगों को लगता है कि हम अपने खून के रिश्ते को नहीं जानते, तो दोबारा सोचिए। सिर्फ इसलिए कि आप सात साल से किसी के साथ हैं, आप उन आम आदतों को नहीं मिटा सकते जिनके साथ हम बड़े हुए हैं। मेरे भाई ने परिवार की विरासत को आगे बढ़ाया। उसने इसे बनाया नहीं। और वह हमारे परिवार को रिप्रेजेंट करती घूम रही है। उस पर शर्म आनी चाहिए। संजय कपूर पर करिश्मा के साथ गलत व्यवहार के आरोपों को गलत ठहराते हुए मंधीरा ने कहा- श्उसने लोलो के साथ बुरा बर्ताव नहीं किया, हां उनका डिवोर्स बुरा था। सभी डिवोर्स बुरे होते हैं. मुझे एक भी ऐसा डिवोर्स दिखाओ जो बुरा न हो, तो प्लीज हम उन फालतू बातों पर ध्यान न दें जो लोग करना चाहते हैं और दूसरों को बदनाम करना चाहते हैं। सब्र रखें, इंसान बनें, और जो सही है उसके साथ खड़े रहें। बच्चों, एक्स-वाइफ, मां और बहनों को बदनाम करना बंद करें। खुद को मेरी जगह रखकर देखो और बताओ कि तुम क्या करोगे, उंगली उठाना बहुत आसान है, स्टैंड लेना बहुत मुश्किल है। उनका कहना है कि करिश्मा के बच्चे- समायरा और कियान, संजय की असली विरासत के हकदार हैं।

एआई के जरिए कीर्ति सुरेश की तस्वीरों से हुई छेड़छाड़, एक्ट्रेस ने उठाई आवाज

बोलीं- ये समाज के लिए एक गंभीर खतरा

दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी (एआई) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि, इसका सही दिशा में इस्तेमाल की जगह मिसयूज ज्यादा हो रहा है। एआई की मदद से यूजर्स लोगों के चेहरे और हाव-भाव बदलकर उनका मिसयूज कर रहे हैं। ऐसा कई सेलिब्रेटीज के साथ भी हो चुका है। अब हाल ही में नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश ने आवाज उठाई है, जिन्हें हाल ही में एआई से बनी मॉर्फ्ड तस्वीरों का निशाना बनाया गया, जो ऑनलाइन वायरल हो गईं। दरअसल, एक्ट्रेस कीर्ति सुरेश की कई तस्वीरों को एआई की मदद से बदला गया और सजेस्टिव तस्वीरों पर उनका चेहरा लगा दिया गया। कीर्ति का पोज बदलकर भी अश्लील दिखाया, जिससे एक्ट्रेस हैरान रह गईं। एक्ट्रेस ने कहा एआई एक बहुत बड़ा मुद्दा बन गया है। यह वरदान और अभिशाप दोनों बन गया है। इस टेक्नोलॉजी को लोगों की मदद के लिए बनाया गया था, लेकिन हम अब इस पर कंट्रोल खो रहे हैं। मैं जब सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरों या अपने चेहरे को किसी सजेस्टिव या अतरंगी कपड़ों पर देखती हूं तो हैरान रह जाती हूं। मैं सोचती हूं कि क्या मैंने कभी ऐसे कपड़े पहने थे? सोचो ये इतने असली लगते हैं। कीर्ति ने आगे एक परेशान करने वाली घटना को याद किया जिसमें उनकी हाल ही की एक पूजा-इवेंट की तस्वीर थी जिसे एआई का इस्तेमाल करके पूरी तरह से बदल दिया गया था। कीर्ति सुरेश न केवल उनके कपड़ों के साथ छेड़छाड़ की गई, बल्कि एक अलग और नकली इमेज बनाने के लिए उनके बॉडी पोस्चर को भी बदल दिया गया। उन्होंने कहा, जब मैंने वह फोटो देखी, तो एक पल के लिए तो मुझे लगा, क्या मैंने ऐसे पोज दिया था? बाद में, मुझे एहसास हुआ कि यह पूरी तरह से नकली था। यह बहुत परेशान करने वाला था और मुझे बहुत दुख हुआ। कीर्ति ने जोर देकर कहा कि एआई टेक्नोलॉजी के अनगिनत फायदे हैं, लेकिन इसका गलत इस्तेमाल समाज के लिए एक गंभीर खतरा है। न सिर्फ पब्लिक फिगर, बल्कि आम यूजर्स भी इस तरह के डिजिटल मैनिपुलेशन के शिकार हो सकते हैं।

पाकिस्तान में अब कहां हो गया ब्लास्ट, 15 लोगों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। पंजाब प्रांत के फैसलाबाद जिले के मलिकपुर में एक रासायनिक कारखाने में बॉयलर फटने से कम से कम 15 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। विस्फोट सुबह-सुबह हुआ, जिससे आस-पास की कई इमारतें ढह गईं, जिनमें एक फैक्टरी की इमारत भी शामिल थी। फैसलाबाद के उपायुक्त राजा जहाँगीर अनवर ने संवाददाताओं को बताया कि बचाव अभियान जारी है और मलबे में और लोगों के दबे होने की आशंका है। अनवर ने कहा कि अब तक बचाव दल ने मलबे से 15 शव निकाले हैं और सात घायलों को अस्पताल पहुँचाया गया है। उन्होंने आगे कहा कि बचाव दल मलबा हटाने में लगे हुए हैं। ज़िले की पूरी मशीनरी बचाव कार्य में लगी हुई है। पंजाब के पुलिस महानिरीक्षक डॉ. उस्मान अनवर ने प्रभावी खोज और बचाव अभियान सुनिश्चित करने के लिए रेस्क्यू 1122, अग्निशमन विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों सहित सभी आपातकालीन प्रतिक्रिया दलों को पूर्ण सहयोग प्रदान करने के निर्देश जारी किए। पंजाब की मुख्यमंत्री मरियम नवाज ने इस त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने फैसलाबाद आयुक्त से घटना के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। विस्फोट के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है और क्षेत्र के अन्य रासायनिक कारखानों की सुरक्षा जांच तेज कर दी गई है। अधिकारी भविष्य में इसी तरह की दुर्घटनाओं को रोकने के लिए औद्योगिक सुरक्षा प्रोटोकॉल के पालन की भी समीक्षा कर रहे हैं। यह दुखद घटना क्षेत्र में औद्योगिक सुरक्षा मानकों को लेकर चिंताओं को रेखांकित करती है, क्योंकि अधिकारी बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं और पीड़ितों और उनके परिवारों को सहायता प्रदान कर रहे हैं। सियालकोट की एक कपड़ा फैक्ट्री में गैस रिसाव के कारण कई लोगों की मौत और कई अन्य घायल हुए थे, जिससे पूरे प्रांत में फैक्ट्रियों में पुराने उपकरणों, ढीले सुरक्षा उपायों और अपर्याप्त आपातकालीन तैयारियों को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि सुरक्षा नियमों के सख्त पालन के बिना, ऐसी दुखद घटनाएँ होती रह सकती हैं।

चीन पर मोदी सरकार ने ले लिया इतना बड़ा फैसला, जानकर जिनपिंग भी हैरान!

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने दुनिया भर में भारतीय मिशनों और वाणिज्य दूतावासों के माध्यम से आवेदन करने वाले चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा खोल दिया है। दोनों देश वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर लंबे समय तक चले सैन्य गतिरोध के बाद अपने संबंधों को सामान्य बनाने की प्रक्रिया जारी रखे हुए हैं। यह कदम भारत द्वारा जुलाई में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू करने के चार महीने बाद उठाया गया है। अप्रैल-मई 2020 में वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) पर गतिरोध शुरू होने के बाद चीनी नागरिकों के वीजा निलंबित कर दिए गए थे। गलवान घाटी में सैन्य टकराव और एक क्रूर झड़प, जिसमें 20 भारतीय सैनिक और कम से कम चार चीनी सैनिक मारे गए, ने द्विपक्षीय संबंधों को छह दशकों के सबसे निचले स्तर पर पहुँचा दिया। इस मामले से परिचित लोगों ने शुक्रवार को बताया कि इस सप्ताह की शुरूआत में दुनिया भर में भारतीय दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा खोल दिए गए। इस कदम के बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई। नाम न छापने की शर्त पर सूत्रों ने बताया कि भारत और चीन ने हाल के महीनों में संबंधों को स्थिर और पुनर्निर्माण करने के लिए कई "जन-केंद्रित कदमों" पर सहमति व्यक्त की है। उन्होंने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सीधी उड़ानें, जो 2020 की शुरूआत से निलंबित थीं, अक्टूबर में फिर से शुरू हो गई हैं। संबंधों को सामान्य बनाने के अन्य कदमों में ग्रीष्मकाल में तिब्बत क्षेत्र के पवित्र स्थलों के लिए कैलाश मानसरोवर यात्रा फिर से शुरू करने का समझौता, विभिन्न श्रेणियों के यात्रियों के लिए वीजा सुविधा और राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ का स्मरणोत्सव शामिल हैं। इससे पहले, भारत ने जुलाई में चीनी नागरिकों के लिए पर्यटक वीजा फिर से शुरू कर दिया था, जिससे वे बीजिंग स्थित भारतीय दूतावास और शंघाई, ग्वांगझू और हांगकांग स्थित वाणिज्य दूतावासों में आवेदन कर सकते थे। दोनों पक्षों के दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों में राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में कार्यक्रम आयोजित किए गए। उपरोक्त उद्धृत व्यक्तियों में से एक ने बताया कि इन सभी कदमों का उद्देश्य दोनों देशों के नेताओं के मार्गदर्शन में लोगों के बीच आदान-प्रदान को सुविधाजनक बनाना है।

अमेरिका-रूस का सीक्रेट प्लान! जेलेंस्की की गर्दन पर ट्रंप ने रखी तलवार, यूक्रेन को माननी होगी शर्मनाक डील?

एजेंसी

नई दिल्ली। पता चला है कि वर प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने रूस-यूक्रेन झगड़े के लिए एक शांति प्लान को "चुपचाप" मंजूरी दे दी है,

जो दोनों देशों के बीच लड़ाई को खत्म करने में एक बड़ी कामयाबी हो सकती है। ठइउ न्यूज ने एक सीनियर एडमिनिस्ट्रेशन अधिकारी के हवाले से बताया कि ट्रंप ने इस हफ़्ते रूस और यूक्रेन के बीच शांति के लिए 28-पॉइंट वाले प्लान को मंजूरी दी ।रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉप एडमिनिस्ट्रेशन अधिकारियों ने पिछले कई हफ़्तों में रूसी दूत किरिल दिमित्रीव और यूक्रेनी अधिकारियों से सलाह करके इस प्लान को "चुपचाप" बनाया है। इस प्लान के बारे में सबसे पहले एक्सियोस ने रिपोर्ट किया था, जिसने कहा था कि यूनाइटेड स्टेट्स के प्रपोजल ने डोनाल्ड ट्रंप के 20-पॉइंट वाले गाजा शांति प्लान से प्रेरणा ली है। अमेरिका और रूस के बीच हुई बातचीत के आधार पर यह मसौदा तैयार किया गया है, जिसकी एक प्रति एसोसिएटेड प्रेस को बृहस्पतिवार को प्राप्त हुई। यह मसौदा साफ तौर पर रूस के पक्ष में दिखाई देता है।

ट्रंप ने 'चुपचाप' शांति योजना को मंजूरी दी

अमेरिकी प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि अमेरिकी टीम ने अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ की यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की के शीर्ष सलाहकार रुस्तम उमरोव से बातचीत के तुरंत बाद यह योजना तैयार करना शुरू कर दिया था। अधिकारी ने बताया कि कई संशोधन करने के बाद उमरोव ने योजना के अधिकतर बिंदुओं पर सहमति जताई और फिर इसे जेलेंस्की के समक्ष प्रस्तुत किया।

यूक्रेन का कुछ हिस्सा रूस को देने का प्रस्ताव

अधिकारी के अनुसार, अमेरिकी सैन्य सचिव डैन ड्रिस्कॉल भी बृहस्पतिवार को यूक्रेन की राजधानी कीव में थे और उन्होंने जेलेंस्की के साथ ताजा मसौदे पर चर्चा की। जेलेंस्की ने इस बारे में सोशल मीडिया पर एक संतुलित बयान दिया, लेकिन प्रस्ताव पर सीधे तौर पर कुछ नहीं कहा। उन्होंने लिखा, यूक्रेन और अमेरिका की हमारी टीमें शांति योजना के प्रावधानों पर मिलकर काम करेंगी। हम ईमानदारी, तेजी से और सकारात्मक माहौल में काम करने के लिए तैयार हैं। शांति योजना के तहत रूस को यह वादा करना होगा कि वह भविष्य में कोई हमला नहीं करेगा। इसके अलावा, रूस की 100 अरब डॉलर की जमा संपत्ति को यूक्रेन के पुनर्निर्माण में इस्तेमाल किया जाएगा। इस पहल के तहत रूस को यूरोप के सबसे बड़े परमाणु ऊर्जा संयंत्र जापोरिज्जिया से उत्पादित आधी बिजली का उपयोग करने की भी अनुमति होगी। इस संयंत्र पर रूस ने युद्ध की शुरूआत में ही कब्जा कर लिया था। हालांकि, पिछला रुख देखते हुए यह माना जा रहा है कि यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की इस प्रस्ताव को मानने से इनकार कर सकते हैं, क्योंकि वह पहले भी जमीन छोड़ने के ट्रंप के सुझावों का विरोध कर चुके हैं और यूक्रेन के संविधान के तहत ऐसी रियायत देना अवैध है। यूरोपीय देशों के नेता भी इस प्रस्ताव का विरोध कर रहे हैं।

दुबई के एयर शो में बहुत बड़ा हादसा, तेजस फाइटर प्लेन क्रैश

एजेंसी

नई दिल्ली। दुबई एयरशो में भारत निर्मित एचएएल तेजस लड़ाकू विमान। यह विमान अल मकतूम अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास एक बड़ी भीड़ के सामने एक प्रदर्शन उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिससे हवा में घना काला धुआँ फैल गया और दर्शकों में दहशत फैल गई। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय एचएएल तेजस स्थानीय समयानुसार दोपहर लगभग 2:10 बजे भीड़ के लिए एक प्रदर्शन उड़ान भरते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आपातकालीन दल ने शहर-राज्य के दूसरे हवाई अड्डे पर, जहाँ यह प्रमुख विमानन कार्यक्रम आयोजित हो रहा था, घटना पर प्रतिक्रिया दी। दुर्घटना के बाद पायलट की स्थिति तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाई। एचएएल वेबसाइट पर दिए गए विवरण के अनुसार, तेजस 4.5 पीढ़ी का लड़ाकू विमान है जिसे आक्रामक हवाई सहायता, निकट युद्ध और जमीनी हमले के अभियानों के लिए डिजाइन किया गया है।

बहुमुखी प्रतिभा के लिए निर्मित, इसे जमीनी और समुद्री अभियानों के लिए भी डिजाइन किया गया है, जो इसे भारत के सबसे अनुकूलनीय स्वदेशी प्लेटफार्मों में से एक बनाता है। तेजस परिवार में वायु सेना और नौसेना दोनों के लिए एकल-सीट लड़ाकू संस्करण, साथ ही प्रत्येक सेवा के लिए दो-सीट प्रशिक्षक संस्करण शामिल हैं। एचएएल वेबसाइट के अनुसार, यह सबसे उन्नत संस्करण, एलसीए एमके1ए, है जिसमें युद्ध क्षमता और उत्तरजीविता को बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण उन्नयन शामिल हैं।

बांग्लादेश में 5.7 तीव्रता का भूकंप आया पश्चिम बंगाल में भी महसूए किए गए झटके

एजेंसी

नई दिल्ली। बांग्लादेश के नरसिंगडी में शुक्रवार सुबह 5.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके झटके कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के कई स्थानों पर महसूस किए गए। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। आईएमडी ने बताया कि भूकंप पड़ोसी देश के नरसिंगडी से 13 कि लोमीटर दक्षिण-दक्षिणपश्चिम में सुबह 10 बजकर आठ मिनट पर आया और इसका केंद्र जमीन से 10 किलोमीटर की गहराई में था। कोलकाता और अन्य जिलों में कई लोग एहतियात के तौर पर सड़कों पर निकल आए। अभी किसी के घायल होने या नुकसान की कोई खबर नहीं है।

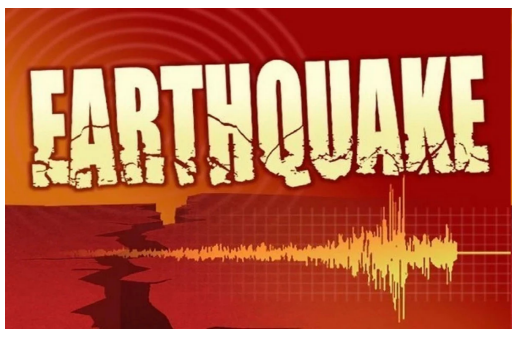

कंबोडिया के प्रमुख पर्यटन स्थल से आ रही बस पुल से गिरी, 16 यात्रियों की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। कंबोडिया में एक यात्री बस पुल से नदी में जा गिरी। इस दुर्घटना में कम से कम 16 लोग मारे गए और दो दर्जन से अधिक घायल हुए हैं। पुलिस अधिकारी सिव सोवन्ना ने "एसोसिएटेड प्रेस" को फोन पर बताया कि यह बस सियेम रीप से नोम पेन्ह की ओर जा रही थी, जहां प्रसिद्ध अंगकोर वाट मंदिर स्थित है। यह हादसा बृहस्पतिवार सुबह मध्य प्रांत काम्पोंग थॉम में हुआ। सोवन्ना ने बताया कि बृहस्पतिवार रात बचावकर्मियों द्वारा तलाश पूरी करने के बाद मृतकों की संख्या 13 से बढ़कर 16 हो गई। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक जांच में संकेत मिला है कि चालक रात में सियेम रीप से प्रस्थान करने के बाद नींद के असर में था। आमतौर पर यह यात्रा लगभग साढ़े पांच घंटे की होती है। उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि चालक मृतकों में शामिल है या नहीं। पुलिस ने कहा कि बस में लगभग 40 यात्री सवार हुए थे और सभी कंबोडियाई नागरिक हैं। लोक निर्माण और परिवहन मंत्रालय के अनुसार, कंबोडिया में सड़क दुर्घटनाओं में 2024 में 1,509 लोगों की मृत्यु हुई, जबकि 2025 के पहले नौ महीनों में 1,062 लोग सड़क हादसों में मारे गए।

खान-पान की ये गड़बड़ी पेट के कैंसर को देती है न्योता, अलर्ट न हुए तो जा सकती है जान

अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि 50 साल से कम उम्र की जो महिलाएं अक्सर अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाती हैं, उनमें बॉवेल पॉलिप होने की आशंका काफी ज्यादा होती है, जिसे कैंसर से जोड़ा गया है। दुनियाभर में तेजी से बढ़ती गंभीर और क्रॉनिक बीमारियों के लिए खानपान और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी को प्रमुख कारण माना जाता रहा है। कैंसर के मामलों में जिस तरह से वृद्धि हो जा रही है वो स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई है। कैंसर और हृदय रोगों के कारण हर साल वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा लोगों की जान जाती है। अध्ययनों से पता चलता है कि युवाओं में भी कैंसर तेजी से बढ़ रहा है, जिसपर अगर समय रहते नियंत्रण न पाया गया तो यह गंभीर समस्याओं का कारण हो सकता है। पिछले दो दशकों के आंकड़े उठाकर देखें तो दुनियाभर में कैंसर के मामलों का ग्राफ तेजी से ऊपर गया है, विशेषकर बाउल (कोलोरेक्टल) कैंसर तेजी से बढ़ रहा है। कोलोरेक्टल कैंसर के नए मामलों की संख्या 1990 में लगभग 8.4 लाख से बढ़कर 2019 में 21 लाख तक पहुंच गई है । यह वृद्धि इसे दुनिया के सबसे तेजी से फैलने वाले कैंसरों में शामिल करती है। इसको लेकर एक हालिया रिपोर्ट में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने कहा कि खानपान में गड़बड़ी

विशेषतौर पर अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीजों का अधिक सेवन बाउल कैंसर के खतरे को बढ़ाती जा रही है जिसको लेकर सभी लोगों को अलर्ट रहने की आवश्यकता है।

बाउल कैंसर का बढ़ता ग्राफ चिंताजनक

अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों का अनुमान है कि साल 2040 तक बाउल कैंसर के नए मरीजों की संख्या लगभग 32 मिलियन प्रतिवर्ष होने की आशंका है, जो स्वास्थ्य तंत्र पर बड़ा बोझ डाल सकती है। भारत में भी बाउल कैंसर की स्थिति काफी चिंताजनक है। साल 2022 के आंकड़ों के अनुसार देश में लगभग 64,863 नए मामले और 38,367 मौतें दर्ज की गईं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि शहरी क्षेत्रों में इसकी दर ग्रामीण क्षेत्रों से कहीं अधिक है, जिसका मुख्य कारण बदलती जीवनशैली, प्रोसेस्ड फूड का बढ़ता सेवन और शारीरिक गतिविधि में कमी मानी जाती है।

अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड्स हैं सेहत का दुश्मन

बाउल कैंसर के कारणों को समझने के लिए किए गए एक हालिया अध्ययन में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने पाया कि 50 साल से कम उम्र की जो महिलाएं अक्सर अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड खाती हैं, उनमें बॉवेल पॉलिप होने की आशंका काफी ज्यादा होती है, जिसे कैंसर से जोड़ा गया है। अल्ट्रा-प्रोसेस्ड फूड, जिनमें आमतौर पर फाइबर कम होता है और इमल्सीफायर भरपूर होते हैं, लंबे समय तक इसके सेवन से कैंसर होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। कैंसर रिसर्च यूके और नेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट द्वारा शुरू की गई एक ग्लोबल रिसर्च पहल में लोगों को इस तरह के खानपान से परहेज करने की सलाह दी गई है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

अध्ययनकताओं की टीम ने पाया कि जो लोग अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीजें ज्यादा खाते थे, उनकी बड़ी आंत या रेक्टम पर कोशिकाओं के अनियंत्रित वृद्धि होने का खतरा 45% अधिक था। वैसे तो पॉलिप आमतौर पर नुकसान पहुंचाने वाले नहीं होते हैं लेकिन कुछ मामलों में समय के साथ ये कैंसर बन सकता है। मैसाचुसेट्स जनरल हॉस्पिटल में क्लिनिकल और ट्रांसलेशनल एपिडेमियोलॉजी के एक्सपर्ट और अध्ययन के मुख्य लेखक डॉ. एंड्रयू चैन ने कहा 'हम कम उम्र के लोगों में बाउल के कैंसर के मामले तेजी से बढ़ते हुए देख रहे हैं और हमें अभी भी समझ नहीं आ रहा था कि ऐसा क्यों है? इस अध्ययन में हमने पाया कि एक्सरसाइज की कमी और गट माइक्रोबायोम में गड़बड़ी जैसे संभावित कारक कैंसर को बढ़ाने वाले हो सकते हैं और अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीजें इसमें आग में घी की तरह से काम करती हैं।

बाउल कैंसर से बचने के लिए खानपान में करें सुधार

औसतन, अल्ट्रा-प्रोसेस्ड चीजों का सेवन कुल दैनिक कैलोरी का लगभग 35 प्रतिशत होता है, जो मुख्य रूप से ब्रेड और नाश्ते के खाद्य पदार्थों, सॉस, स्प्रेड और शर्करा युक्त पेय से प्राप्त होता है। बाउल कैंसर का सबसे बड़ा खतरा यह है कि इसके शुरूआती लक्षण सामान्य गैस-एसिडिटी या आंत संबंधी समस्याओं जैसे लगते हैं, जिससे मरीज देर से डॉक्टर तक पहुंचते हैं। देर से पता चलने पर इसका इलाज कठिन हो जाता है और मृत्यु जोखिम बढ़ जाता है। उच्च वसा और तले हुए खाद्य पदार्थ, मोटापा, धूम्रपान और शराब जैसी आदतों के कारण भी इस तरह के कैंसर के मामलों में वृद्धि रिपोर्ट की जाती रही है।

ऐसी सिल्क की साड़ी अगर शादी-विवाह में पहन ली तो मामी से लेकर चाची तक करेंगी तारीफ

शादी का मौसम आते ही हर महिला अपनी वॉर्डरोब में कुछ खास और क्लासिक आउटफिट्स शामिल करना चाहती है, जिनमें सिल्क की साड़ी का नाम सबसे ऊपर आता है। सिल्क साड़ियां न केवल पारंपरिक खूबसूरती को दशार्ती हैं बल्कि शादी- विवाह के मौके पर लुक को रॉयल बना देती हैं। टीवी से लेकर बॉलीवुड तक की एक्ट्रेस सिल्क की साड़ी पहनकर अपना खूबसूरत अंदाज दिखाती हैं। कई अभिनेत्रियां तो ऐसी होती हैं जो अपने सिल्क साड़ी लुक्स से अक्सर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करती रहती हैं, और उनके ये स्टाइलिश अंदाज हर महिला के लिए प्रेरणा बन जाते हैं। ऐसे में अगर आपके घर में भी जल्द शादी होने वाली है, तो पहले से कुछ खूबसूरत सिल्क साड़ियां अपने कलेक्शन में रखना बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इससे आपको हर फंक्शन में एक नया और एलीगेंट रूप मिलेगा। इस लेख में हम आपको कुछ एक्ट्रेसेस के सिल्क साड़ी लुक्स के बारे में बताएंगे, जिनसे आप अपने लिए बेहतरीन फैशन आइडियाज ले सकती हैं।

बिपाशा बसु

सबसे पहले नजर डालते हैं बिपाशा बसु के इस साड़ी लुक पर तो इस तरह की कांजीवरम सिल्क साड़ी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकती है। अगर आपको बिपाशा की तरह ही लुक कैरी करना है तो स्लीक बन बनाकर गले में टैंपल ज्वेलरी कैरी करें। टैंपल ज्वेलरी के साथ कानों में हैवी झुमके पहनना बिल्कुल भी नहीं भूलें।

अंकिता लोखंडे

अंकिता लोखंडे का हर साड़ी लुक कमाल का होता है। वो हर त्योहार के मौके पर बेहद खूबसूरत अंदाज में सिल्क की साड़ी पहनकर तैयार होती हैं। आप चाहें तो उनके इस लुक से टिप्स लेकर तैयार हो सकती हैं। इसके लिए आपको गुलाबी या लाल सिल्क की साड़ी के साथ ब्लू रंग का शॉल कैरी करना है। ये लुक सर्दी के मौसम के लिए परफेक्ट है

भाग्यश्री

अगर आप मम्मी, चाची, भाभी के रिश्ते से शादी में शामिल हो रही हैं तो भाग्यश्री के इस लुक से टिप्स लें। इस तरह की डबल शेड की साड़ी का लुक देखने में बेहद कमाल का लगता है। इस तरह की साड़ी के साथ बालों में आप चोटी बनाकर गजरा लगा सकती हैं। गले में मैचिंग नेकपीस पहनकर अपना लुक बदल दें।

करिश्मा कपूर

अगर आप उन महिलाओं में से हैं, जिन्हें एलिगेंस और लाइट रंग पसंद है तो आपके लिए ऐसी आइवरी रंग की साड़ी कमाल की रहेगी। आइवरी रंग की साड़ी के साथ मैचिंग ब्लाउज पहनें। अपने लुक को खूबसूरत बनाने के लिए आप चाहें तो लाल या हरे रंग का चोकर कैरी कर सकती हैं।

खांसी-बुखार को भी माना जाएगा संक्रमण, होगी निगरानी; आईसीएमआर ने तैयार की महामारी नियंत्रण नीति

किसी इलाके में महामारी के संक्रमण के लिए अब पुष्टि का इंतजार नहीं किया जाएगा। किसी इलाके में बुखार, खांसी, उल्टी-दस्त जैसे सामान्य लक्षण भी यदि अचानक बढ़ते हैं, तो केंद्रीय निगरानी सिस्टम इसे संभावित संक्रमण क्लस्टर मानते हुए राष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य-अलर्ट जारी करेगा। नई व्यवस्था सिंड्रोमिक सर्विलांस कहलाती है जिसे भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने केंद्र के दिशा-निर्देश पर तैयार कर राज्यों से साझा किया है। आईसीएमआर की ओर से जारी 20 पन्नों के तकनीकी मसौदे में दावा किया है कि संक्रमण फैलने से पहले ही उसके शुरूआती संकेत पहचान लिए जाएंगे, जिससे बड़ी महामारी को फैलने को रोका जा सकेगा। अभी तक संक्रमण फैलने की जानकारी प्रयोगशाला जांच पर निर्भर रहती है। इसमें कई दिन लग जाते हैं और तब तक बीमारी का दायरा बढ़ने लगता है। लेकिन अब चिकित्सक लक्षणों की पहचान करने के बाद इसका डाटा तुरंत केंद्रीय निगरानी सिस्टम तक भेजेंगे। इस डाटा का विश्लेषण करने के लिए अलग से एआई यानी कृत्रिम बुद्धिमत्ता युक्त एल्गोरिदम बनाया है जो डाटा पैटर्न को स्कैन करेगा और असामान्य ट्रेंड मिलने पर संबंधित जिला एवं राज्य दोनों को अलर्ट किया जाएगा। आईसीएमआर के मुताबिक, कोरोना जैसी आपदाओं ने सिखाया है कि डाटा ही सबसे बड़ा हथियार है जो बीमारी की अदृश्य शुरूआत को पकड़ सकता है।

क्या है सिंड्रोमिक सर्विलांस

यह प्रणाली लक्षणों को संकेत मानकर बीमारी का अनुमान लगाती है। उदाहरण के लिए अगर किसी शहर, कस्बे या फिर गांव में अचानक बुखार के मामले बढ़ते हैं तो उसे इन्फ्लुएंजा या फिर डेंगू जैसे संक्रमण के संकेत मान सकते हैं। इसी तरह दस्त या फिर उल्टी के मामलों में वायरल डायरिया और तेज सिरदर्द के साथ न्यूरोलॉजिकल लक्षण मिलने पर इंसेफेलाइटिस के संकेत हो सकते हैं।

गांवों से दिल्ली तक रियल टाइम निगरानी

केंद्र सरकार के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया कि सिंड्रोमिक सर्विलांस को इस तरह बनाया गया है कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, उपकेंद्र, जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज सभी चिकित्सा संस्थान इसका हिस्सा बने हैं। किसी गांव में भी अगर अचानक बुखार के केस बढ़ते हैं तो अलर्ट सीधे राज्य और केंद्र तक पहुंचेगा।

संक्षिप्त समाचार

11 जनवरी से शुरू होगा गोरखपुर महोत्सव 2026

चम्पा देवी पार्क में 11-13 जनवरी तक रंगारंग आयोजन-पर्यटन मंत्री करेंगे शुभारंभ, मुख्यमंत्री करेंगे समापन

गोरखपुर। पूर्वांचल के सबसे भव्य सांस्कृतिक आयोजनों में शामिल गोरखपुर महोत्सव 2026 की तैयारियाँ जोर-शोर से शुरू हो गई हैं। इस वर्ष महोत्सव का

आयोजन चम्पा देवी पार्क में किया जाएगा। महोत्सव से संबंधित तैयारियों की विस्तृत समीक्षा मंडलायुक्त सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता सांसद रवि किशन ने की। तीन दिवसीय यह भव्य महोत्सव 11, 12 और 13 जनवरी 2026 को आयोजित होगा। उद्घाटन समारोह का शुभारंभ पर्यटन मंत्री द्वारा किया जाएगा, जबकि समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। महोत्सव के साथ लगने वाला शिल्प मेला इस बार और भी विस्तृत रूप में प्रस्तुत होगा। यह मेला 17 जनवरी 2026 तक चलेगा, जिसमें स्थानीय कारीगरों के साथ देशभर से आने वाले शिल्पकार एवं उद्यमी अपनी कला, उत्पाद और नवाचार प्रस्तुत करेंगे।

राष्ट्रीय कलाकारों की धमाकेदार प्रस्तुति

इस वर्ष महोत्सव का मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय स्तर के कलाकार होंगे। भोजपुरी के सुपरस्टार पवन सिंह अपनी ऊर्जावान प्रस्तुति से दर्शकों को झूमने पर मजबूर करेंगे। वहीं लोक-संगीत की लोकप्रिय गायिका मैथिली ठाकुर अपनी सुरीली आवाज से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करेंगी। इसके अलावा, स्थानीय कलाकारों को भी बड़े मंच पर अपने हुनर को दिखाने का अवसर मिलेगा, जिससे क्षेत्रीय कला-संस्कृति को नई पहचान मिलेगी। महोत्सव को सफल व आकर्षक बनाने के लिए प्रशासन और आयोजन समिति ने विभिन्न उपसमितियों का गठन किया है, जो सुरक्षा, व्यवस्थापन, स्वच्छता, स्टॉल आवंटन, यातायात एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के समन्वय का कार्य देखेंगी।

गोरखपुर के वार्ड नंबर 35 में आज SIR फॉर्म भरने का विशेष कैंप आयोजित

गोरखपुर। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार आज वार्ड नंबर 35 में रक्फफॉर्म भरने के लिए विशेष कैंप का आयोजन किया गया।

मुहल्ला जंगल सालिकराम क्षेत्र के अंतर्गत बूथ संख्या 48 से 55 के लिए BLO और BLA का कैंप कंपोजिट विद्यालय जंगल सालिकराम में लगाया गया, जबकि बूथ संख्या 56 से 60 के मतदाताओं के लिए कैंप कंपोजिट विद्यालय शिवपुर शाहबाजगंज में संचालित हुआ। कैंप सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चला, जिसमें बड़ी संख्या में मतदाताओं ने पहुँचकर अपने रक्फफॉर्म भरवाए। निर्वाचन आयोग के अनुसार SIR प्रक्रिया सभी मतदाताओं के लिए अनिवार्य है, ताकि मतदाता सूची को साफ और अद्यतन किया जा सके। पार्षद श्रीमती सरिता यादव, पत्नी श्री सुधीर यादव (वार्ड नंबर 35, सालिकराम नगर) ने क्षेत्रवासियों से अपील करते हुए कहा कि परिवार के प्रत्येक मतदाता तथा आस-पड़ोस के परिचित लोगों का रक्फफॉर्म अवश्य भरवाया जाए।

मिर्जापुर थर्मल पावर प्रोजेक्ट में बडा विधिक संकट

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष श्री अरविंद कुमार तथा सदस्य श्री संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर अदानी पावर लिमिटेड द्वारा प्रस्तावित 1600 मेगावॉट थर्मल पावर प्रोजेक्ट (मिजार्पुर थर्मल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड) से संबंधित पावर सप्लाई एग्रीमेंट पर गंभीर आपत्तियाँ दर्ज कराई। एक विधिक प्रस्ताव दाखिल करते हुए पूरे प्रस्ताव को निरस्त कर पुनः टेंडर करने की मांग उठाई गई। उपभोक्ता परिषद ने कहा जब यह टेंडर अदानी को बिल्डिंग रूट के तहत अवार्ड किया गया उसे समय इस पूरे प्रोजेक्ट में फ्लू गैस डी सल्फराइजेशन (एफजीडी) संयंत्र की कास्ट को सम्मिलित करते हुए कुल रुपया 5.38 प्रति यूनिट की दर तय की गई थी। जिसमें फिक्स कास्ट रुपया 3.7 2 प्रति यूनिट शामिल था अब जब एफजीडी लगाने की अनिवार्यता भारत सरकार ने खत्म कर दी है। वर्तमान टेंडर में एफजीडी का आदेश भी निरस्त किया जा चुका है। ऐसे में पावर कारपोरेशन ने एफजीडी संयंत्र की कुल लागत को काम करते हुए विद्युत नियामक आयोग में याचिका ना दाखिल करके अदानी पावर को बड़ा लाभ देने की कोशिश की गई। एफजीडी संयत्र की लागत लगभग 2000 करोड़ के ऊपर होगी। ऐसे में जब इस लागत काम करके फिक्स कास्ट को देखा जाएग तो लगभग फिक्स कास्ट में 70 पैसा प्रति यूनिट की कमी आएगी।

खादी महोत्सव का शुभारंभ

ग्रामीण कारीगरों के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मिला नया आयाम

स्वरोजगार व ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने का संकल्प, खादी उत्पादों की शानदार प्रदर्शनी शुरू

लखनऊ (संवाददाता)। प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्रोंद्योग मंत्री राकेश सचान ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

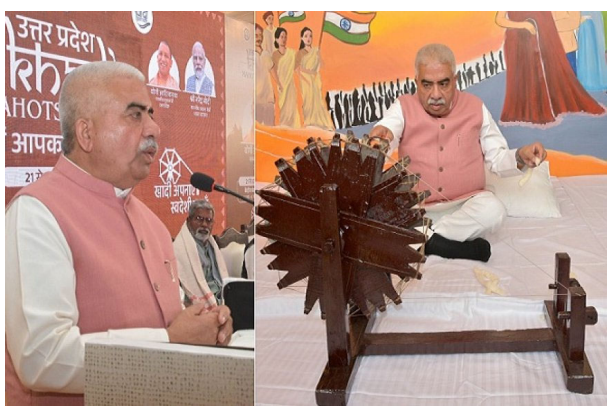

में 10 दिवसीय खादी महोत्सव-2025 का भव्य उद्घाटन किया। मंत्री सचान ने कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। महोत्सव में प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए 160 से अधिक उद्यमियों एवं इकाइयों द्वारा स्थापित स्टॉल में खादी एवं ग्रामोद्योग से निर्मित उत्कृष्ट उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। खादी को गांधीजी ने स्वतंत्रता संग्राम की आत्मा कहा था। विदेशी वस्त्रों के बहिष्कार और स्वदेशी वस्त्र के रूप में खादी ने आजादी के आंदोलन में पूरे देश को एकजुट किया था। आज वही खादी केवल एक वस्त्र नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता, रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बन चुकी है। मंत्री राकेश सचान ने कहा कि खादी महात्मा गांधी के स्वावलंबन के विचार से जुड़ी हुई है और आज प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में स्वच्छता, स्वदेशी, स्वरोजगार तथा आत्मनिर्भर भारत के अभियान के अंतर्गत खादी पुनः राष्ट्रीय पहचान की शान बन रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 18 मंडलों में खादी एवं ग्रामोद्योगी प्रदर्शनियों का आयोजन कर ग्रामीण उत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। पिछले वर्ष आयोजित कुल 20 प्रदर्शनियों में 2000 से अधिक इकाइयों की भागीदारी रही। 44.38 करोड़ रुपये की बिक्री दर्ज की गयी, जो ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा वर्तमान में 3,90,000 से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 21 प्रतिशत अधिक है। 2025 में 66,640 युवाओं को टूलकिट प्रदान कर स्वरोजगार से जोड़ा गया है। दोना मेकिंग मशीन, पॉपकॉर्न मशीन, हनी बॉक्स और विद्युत चालित चाक जैसे उपकरण ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने में प्रभावी भूमिका निभा रहे हैं। समारोह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले उद्यमियों को राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं चयनित लाभार्थियों को विभिन्न टूलकिट वितरित कर सम्मानित किया गया इस दौरान प्रमुख सचिव अनिल कुमार सागर ने कहा कि खादी आधुनिक डिजाइनों और तकनीकों के माध्यम से युवाओं की पहली पसंद बन रही है। फैशन शो एवं निफ्ट जैसी संस्थाओं की सहभागिता से खादी को नया स्वरूप मिल रहा है। ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म जैसे अमेजन और फ्लिपकार्ट के माध्यम से खादी उत्पादों को राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने की व्यवस्था की गई है, जिससे कारीगरों को अधिक आय और पहचान मिल रही है। बेहतर गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करना विभाग की प्राथमिकता है, ताकि उपभोक्ताओं का विश्वास लगातार मजबूत रहे।लखनऊ वासियों से अपील की गई कि वे अधिक से अधिक संख्या में महोत्सव में पहुंचकर खादी उत्पादों की खरीदारी करें और ग्रामीण कारीगरों का मनोबल बढ़ाएं। मीडिया प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया कि वे इस आयोजन का व्यापक प्रचार-प्रसार कर खादी को बढ़ावा देने में सहयोग करें। कार्यक्रम में विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। मंत्री राकेश सचान ने चयनित लाभार्थियों एवं उद्यमियों को पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए। राज्य स्तरीय उत्कृष्ट इकाइयों के रूप में मेरठ के दीपक कुमार को प्रथम पुरस्कार स्वरूप 40,000 रुपये, गोण्डा की ममता को द्वितीय पुरस्कार स्वरूप 30,000 रुपये तथा हाथरस के संजय सिंह को तृतीय पुरस्कार स्वरूप 20,000 रुपये प्रदान कर सम्मानित किया गया। चयनित पांच लाभार्थियों शशि शुक्ला, पिंकी, उमाकांत, विद्यावती एवं हिन्दराज को दोना मेकिंग मशीन प्रदान की गई, वहीं पॉपकार्न मशीन का वितरण पांच लाभार्थियों सोनी, प्रीती, अर्जुन, किशन कुमार तथा अंकित साहू को किया गया। हनी बॉक्स उपलब्ध कराए जाने हेतु रवेश वर्मा, मीना, शिवशंकर पेटेल, अजय वर्मा एवं अनीता वर्मा को चयनित कर उन्हें सम्मानित किया गया। मिट्टी के शिल्पकला कार्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विद्युत चालित चाक भी पांच चयनित लाभार्थियों जियाउल हक, शिवकुमार, अनुराग प्रजापति, सुरेन्द्र कुमार तथा पीयूष प्रजापति को प्रदान किए गए। कार्यक्रम में पगमिल के लिए चयनित एकमात्र लाभार्थी पप्पी को उपकरण प्रदान कर प्रोत्साहित किया गया।

राष्ट्रीय लोकदल ने शुरू कर दी पंचायत व 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए तैयारी

लखनऊ (संवाददाता)। राष्ट्रीय लोक दल पूरे उत्तर प्रदेश में तेजी से अपने संगठन को विस्तार देने, जनाधार को मजबूत करने और कार्यकताओं को सक्रिय रूप से जोड़ने के व्यापक अभियान में जुटा हुआ है। पार्टी का उद्देश्य प्रदेश के हर जिले, हर तहसील और हर ग्राम पंचायत तक अपनी पहुँच बनाकर एक मजबूत राजनीतिक विकल्प के रूप में उभरना है।

आगामी पंचायत चुनावों तथा उसके बाद 2027 के विधानसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय लोकदल, एनडीए गठबंधन के साथ पूर्ण शक्ति, रणनीति और सशक्त संगठन के बल पर चुनावी तैयारी में जुट गया है। राष्ट्रीय लोक दल अब केवल पश्चिम उत्तर प्रदेश की राजनीति तक सीमित नहीं है बल्कि पूरे प्रदेश में व्यापक स्तर पर अपने जनाधार को सुदृढ़ कर रहा है। जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के उद्देश्य से लगातार सम्मेलन, सभाएं, संवाद कार्यक्रम तथा संगठनात्मक बैठकों का आयोजन किया जा रहा है उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय महासचिव संगठन त्रिलोक त्यागी तथा प्रदेश अध्यक्ष राम आशीष राय के नेतृत्व में बांदा, प्रयागराज, बस्ती, कानपुर, श्रावस्ती, हरदोई, गोरखपुर, कुशीनगर, झांसी, बरेली, गोंडा, उन्नाव, फैजाबाद, सोनभद्र, सिद्धार्थनगर, बाराबंकी, वाराणसी, कन्नौज, फर्रुखाबाद, इटाह, बहराइच, बलरामपुर, लखीमपुर, कौशाम्बी सहित प्रदेश के दर्जनों जिलों में विशाल सम्मेलन आयोजित हुए हैं। इन आयोजनों में हजारों की संख्या में कार्यकताओं, किसानों, नौजवानों एवं विभिन्न सामाजिक वर्गों की उपस्थिति ने यह स्पष्ट किया है कि पार्टी का संदेश तेजी से जन-जन तक पहुंच रहा है। राष्ट्रीय लोक दल का उद्देश्य केवल चुनावी विस्तार नहीं, बल्कि सामाजिक सौहार्द, आपसी भाईचारा और किसान-मजदूर आधारित राजनीति को सशक्त करना है।

मथुरा कोसिकला में पार्टी के ऐतिहासिक राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष चैधरी जयंत सिंह ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय लोक दल किसानों, मजदूरों, पिछड़े वर्गों, युवाओं और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर समतामूलक राजनीति को मजबूत करने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है।

अधिवेशन में पारित प्रस्तावों ने पार्टी की भविष्य की दिशा, नीतिगत प्राथमिकताओं को स्पष्ट रूप से रेखांकित किया। राष्ट्रीय लोक दल का सदस्यता अभियान 14 अप्रैल बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर की जयंती से प्रारंभ होकर 31 अक्टूबर सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती तक चला।

ऋषि का सद्ज्ञान मानव जीवन का आधार है: उमानन्द शर्मा

लखनऊ (संवाददाता)। गायत्री ज्ञान मंदिर इंदिरा नगर, लखनऊ के विचार क्रान्ति ज्ञान यज्ञ अभियान के अन्तर्गत शेरवुड कॉलेज ऑफ नर्सिंग, सफेदाबाद रेलवे क्रासिंग के पास, धरसनिया, बाराबंकी, उ०प्र० के केन्द्रीय पुस्तकालय में गायत्री परिवार के संस्थापक युगऋषि पं० श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा रचित सम्पूर्ण 79 खण्डों का 453वाँ ऋषि वा०य की स्थापना का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। मुकेश श्रीवास्तव (पुत्र) एवं उर्मिला श्रीवास्तव (पुत्रवधु) ने अपने माता-पिता स्व० श्रीमती सुषमा श्रीवास्तव एवं स्व० कौशल किशोर श्रीवास्तव की स्मृति में संस्थान के पुस्तकालय में युग ऋषि वा०य साहित्य भेंट किये तथा उपस्थित संकाय सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं को अखण्ड ज्योति (हिन्दी) पत्रिका भी भेंट किये।इस अवसर पर वा०य स्थापना अभियान के मुख्य संयोजक उमानंद शर्मा ने कहा कि ऋषि का सद्ज्ञान मानव जीवन का आधार है। इस अवसर पर वी०के० श्रीवास्तव एवं संस्थान के निदेशक (सामान्य प्रशासन) सतीश कुमार श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किये। संस्थान के प्रधानाचार्य डॉ० राज अमित सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

SIR प्रक्रिया पर देशभर में बहस तेज-मतदाता सूची की गहन समीक्षा, लेकिन उठ रहे सवाल भी

नई दिल्ली। भारत में चुनाव आयोग द्वारा शुरू की गई SIR (Special Intensive Revision) प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक हलकों और नागरिक समाज में बहस तेज हो गई है। यह प्रक्रिया मतदाता सूची की गहराई से समीक्षा करने हेतु लागू की गई है। इसके तहत बूथ-स्तर पर मतदाताओं के नाम, पहचान और पते की घर-घर जाकर पुष्टि की जा रही है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह एक व्यापक और "इंटेंसिव" पुनरीक्षण अभियान है, जिसका मुख्य उद्देश्य मतदाता सूची को स्वच्छ, सटीक और विश्वसनीय बनाना है। अधिकारी बताते हैं कि BLO यानी Booth Level Officers इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभा रहे हैं।

डुप्लिकेट और अयोग्य नाम हटाना इस अभियान का मुख्य लक्ष्य

SIR के तहत डुप्लिकेट प्रविष्टियों, मृतक मतदाताओं, स्थानांतरित नागरिकों तथा अवैध प्रवासियों के नाम सूची से हटाने का कार्य किया जा रहा है। चुनाव आयोग का कहना है कि यह उसकी संवैधानिक ज़िम्मेदारी है ताकि मतदान प्रक्रिया निष्पक्ष रहे और गलत प्रविष्टियों के कारण परिणाम प्रभावित न हों।

नए मतदाताओं के लिए भी खुला है अवसर

इस विशेष अभियान के दौरान ऐसे पात्र नागरिक—जो हाल ही में 18 वर्ष के हुए हैं या नए पते पर स्थानांतरित हुए हैं—उन्हें अपनी जानकारी अपडेट

करवाने और मतदाता सूची में शामिल होने का मौका मिल रहा है। लोग जन्मतिथि, पहचान और पते से जुड़े दस्तावेजों को भी इसी अवधि में सुधार सकते हैं।

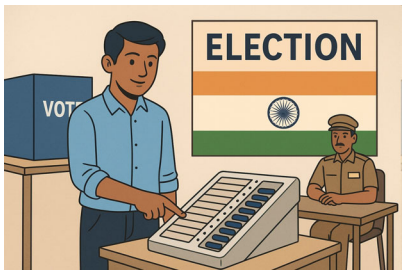

Representation of the People Act पर आधारित प्रक्रिया

चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह पूरी प्रक्रिया Representation of the People Act, 1950 की धारा 21 के तहत की जा रही है। यह धारा आयोग को आवश्यकता पड़ने पर विशेष पुनरीक्षण (Special Revision) का अधिकार देती है। EC के अनुसार, रक्षका उद्देश्य "देशभर में मतदाता सूची को साफ-सुथरा और विश्वसनीय बनाना" है।

12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू

हाल ही में चुनाव आयोग ने SIR प्रक्रिया को 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने की घोषणा की है। बिहार जैसे राज्यों में SIR के दौरान बड़ी संख्या में नाम हटाए जाने की घटनाएँ सामने आई हैं, जिसके कारण राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने चिंता भी जताई है।

विवाद और आलोचनाएँ भी तेज

विपक्षी दलों का आरोप है कि SIR के तहत लाखों मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जा रहे हैं, जिससे मत वंचना (Voter Disenfranchisement) की आशंका बढ़ गई है। कई संगठनों ने यह भी आरोप लगाया है कि कुछ राज्यों-विशेषकर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु-में इस प्रक्रिया का उपयोग राजनीतिक एजेंडा के तहत किया जा सकता है। पहचान संबंधी दस्तावेजों को लेकर भी विवाद हुआ है, क्योंकि कथित रूप से कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों को पहचान प्रमाण के रूप में नहीं माना गया। इससे आम नागरिकों में भ्रम और चिंता बढ़ी है। बिहार में SIR के बाद मतदाता संख्या में आई कमी को लेकर भी कई दलों ने संभावित मतदान परिणामों पर प्रभाव की आशंका जताई है।

एंबुलेंस में गूंजी किलकारी... अनिल कुमार बने फरिश्ता, जच्चा-बच्चा सुरक्षित

मोहम्मद साकिब

गोरखपुर । कभी-कभी ज़िंदगी अपने सबसे कठिन मोड़ पर खड़ी होती है, और उसी वक्त कोई एक इंसान उम्मीद की किरण बनकर रास्ता रोशन कर देता है। ऐसे ही एक भावुक क्षण का गवाह बना नवापार पूर्वी टोला, जहाँ एक एंबुलेंस में जीवन की नन्ही किलकारी गूंजी। नवापार निवासी कन्हैयालाल की पत्नी सीमा (29) को अचानक तेज प्रसव पीड़ा शुरू हुई। परिजन घबराए हुए थे, घर में अफरा-तफरी थी, और हर पल कीमती लग रहा था। इसी बीच कन्हैयालाल ने उम्मीद का सहारा लेते हुए 102 एंबुलेंस को फोन किया।

समय से पहले पहुँचकर उम्मीद बन गए अनिल कुमार

कॉल मिलते ही एंबुलेंस कर्मी अनिल कुमार बिना एक क्षण गंवाए वाहन लेकर घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। सीमा की हालत देखकर ही अंदाजा लग रहा था कि स्थिति सामान्य नहीं है। उन्हें सुरक्षित एंबुलेंस में शिफ्ट कर प्राथमिक उपचार शुरू किया गया।

लेकिन किस्मत ने अभी और परीक्षा रखी थी—

रास्ते में सीमा की हालत लगातार बिगड़ती चली गई। हर साँस उनके लिए संघर्ष बनती जा रही थी। अनिल कुमार ने तुरंत गाड़ी रोककर स्थिति का आकलन किया। एंबुलेंस का छोटा-सा केबिन अचानक अस्पताल के ऑपरेशन रूम जैसा लगने लगा। परिजन दहशत में थे, लेकिन अनिल के चेहरे पर जिम्मेदारी और भरोसे का मिश्रण साफ झलक रहा था।

और फिर... एंबुलेंस में गूंजी जीवन की पहली पुकार

अपने शांत स्वभाव और अनुभव के साथ अनिल कुमार ने एंबुलेंस में मौजूद डिलीवरी किट की मदद से सीमा का सुरक्षित प्रसव कराया।

वह क्षण अविस्मरणीय था—

चारों तरफ चिंता थी, लेकिन उसी बीच एक नन्हा जीवन अपनी पहली किलकारी के साथ दुनिया में आया। परिजनों की आँखों में आंसू थे-डर के नहीं, राहत और खुशी के।

"अगर एंबुलेंस समय पर न आती, तो क्या होता?":भावुक हुए परिजन

परिजनों ने भर आती आवाज में कहा—

"अनिल जी फरिश्ते की तरह आए-अगर वे समय पर न पहुँचते और तुरंत इलाज न करते, तो स्थिति भयावह हो सकती थी।"

अस्पताल में दोनों स्वस्थ

प्रसव के तुरंत बाद अनिल कुमार ने जच्चा और बच्चा दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भटहट में भर्ती कराया। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि "दोनों पूरी तरह सुरक्षित और स्वस्थ हैं।"

सरस्वती शिशु मंदिर में 'पंचपदी अधिगम पद्धति' कार्यशाला का भव्य उद्घाटन: 'भारत श्रेष्ठ' बनाने के संकल्प पर जोर

गोरखपुर: शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत द्वारा आयोजित छह-दिवसीय प्रांतीय पंचपदी अधिगम पद्धति स्रोत व्यक्ति कार्यशाला का भव्य उद्घाटन आज दिनांक

22 नवंबर 2025 को सरस्वती शिशु मंदिर (10+2), पक्की बाग, गोरखपुर में संपन्न हुआ। यह कार्यशाला दिनांक 21 नवंबर 2025 को प्रारंभ हुई 26 नवंबर 2025 तक चलेगी, जिसमें पंचपदी अधिगम पद्धति, शिक्षा के भारतीयकरण और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन पर गहन मंथन किया जाएगा। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री आदरणीय हेमचंद्र जी रहे। उन्होंने अपने प्रेरणादायक उद्बोधन में 'भारत श्रेष्ठ' के निर्माण के संकल्प पर जोर दिया और कहा कि भारतीय जीवन दर्शन में निहित मूल्यों को अपनाकर ही राष्ट्र विश्वगुरु बन सकता है। आदरणीय हेमचंद्र जी ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP) का विस्तार से जिक्र करते हुए बताया कि कैसे यह नीति प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के बीच सेतु का कार्य करेगी। उन्होंने विशेष रूप से बालक के सर्वांगीण विकास पर अपना वक्तव्य दिया और 'पंचपदी अधिगम पद्धति' को इस लक्ष्य को प्राप्त करने का एक प्रभावी माध्यम बताया। भारतीय जीवन दर्शन एवं संस्कृति के मूल तत्व पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि प्रेम, सेवा, त्याग ही भारत को महान बना सकता है। श्रेष्ठ भारत बने इसके लिए शिक्षा, संस्कार मुख्य है जो विद्या भारती देती है।साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष का जिक्र करते हुए कहा कि हमें पंच परिवर्तन के लिए कार्य करना चाहिए। यह कार्यशाला शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत के अंतर्गत आने वाले विद्यालयों में 'पंचपदी अधिगम पद्धति' को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए स्रोत व्यक्तियों (Resource Persons) को प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है। इस दौरान प्रतिभागी भारतीय शिक्षा पद्धति के सिद्धांतों, अनुप्रयोगों और शिक्षा में नवीन तकनीकों के समावेश पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम का प्रारंभ अतिथि जनों के द्वारा मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पार्चन से हुआ अतिथि परिचय प्रांत प्रशिक्षण प्रमुख गोविंद सिंह जी द्वारा हुआ। इस अवसर पर शिशु शिक्षा समिति गोरक्ष प्रांत के मंत्री डॉ शैलेश कुमार सिंह ,प्रदेश निरीक्षक राम सिंह, क्षेत्रीय प्रशिक्षण प्रमुख दिनेश सिंह ,संभाग निरीक्षक बलिया कन्हैया चौबे ,प्रधानाचार्य डॉ राजेश सिंह एवं अन्य पदाधिकारी और विभिन्न जनपदों से आए प्रतिभागीगण उपस्थित रहे।

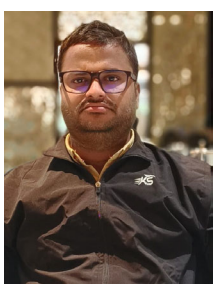

भारतीय न्यूज एजेंसी (BNA) की शुरूआत - लोकल चैनलों को मिलेगा राष्ट्रीय स्तर का सपोर्ट

कम लागत में हाई- टेक न्यूज सर्विस, वीडियो एडिटिंग और 247 तकनीकी सहायता होगी उपलब्ध

उत्तर प्रदेश। भारत के तेजी से बढ़ते डिजिटल मीडिया परिदृश्य में एक बड़ा कदम उठाते हुए भारतीय न्यूज एजेंसी (BNA) की स्थापना की गई है। इसका उद्देश्य देशभर में संचालित लोकल न्यूज चैनलों को पेशेवर, तेज और भरोसेमंद न्यूज सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि सीमित संसाधनों के बावजूद वे उच्च गुणवत्ता वाले समाचार दर्शकों तक पहुंचा सकें। BNA के डायरेक्टर इंजीनियर शक्ति शंकर सिंह ने बताया कि एजेंसी का मूल लक्ष्य लोकल मीडिया को सशक्त बनाना और उन्हें तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। एजेंसी ठीक उसी तरह कार्य करेगी जैसे राष्ट्रीय स्तर पर अठक बड़ी मीडिया संस्थानों को समाचार उपलब्ध कराता है, लेकिन इसका फोकस लोकल और रीजनल मीडिया पर रहेगा।

हनुमान कॉरिडोर का निरीक्षण कर बोले सीएम योगी-माघ मेला पहुंचेगा नई ऊँचाइयों पर

मनीष सुसारी, प्रयागराज

प्रयागराज। प्रयागराज दौरे के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज हनुमान कॉरिडोर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बड़े हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना भी की। निरीक्षण के बाद उन्होंने मीडिया से संवाद करते हुए माघ मेला 2025 की तैयारियों को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएँ कीं।

माघ मेले में आएंगे 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु : सीएम योगी

सीएम योगी ने बताया कि इस बार माघ मेले में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालुओं के संगम स्नान करने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज प्रशासन और प्रदेश सरकार मिलकर इस विराट आयोजन को ऐतिहासिक और भव्य बनाने की दिशा में कार्य कर रही है।

भीड़ प्रबंधन में पहली बार हाई-टेक व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि मेले में भीड़ नियंत्रण के लिए अककैमरों से क्राउड मॉनिटरिंग की जाएगी।

उन्होंने कहा—

"भीड़ नियंत्रण को सुचारू बनाने के लिए अंतरराज्यीय कार्ययोजना तैयार की जा रही है।"

माघ मेला के लिए 3800 स्पेशल बसें

सीएम योगी ने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रदेशभर से 3800 स्पेशल बसें चलाई जाएँगी। इससे लाखों लोगों को माघ मेला क्षेत्र तक पहुँचने में बड़ी राहत मिलेगी।

"माघ मेला अपनी एक नई ऊँचाई तक पहुंचेगा"

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि इस बार का आयोजन
"माघ मेला को उसकी नई ऊँचाई तक पहुँचाएगा।"
उन्होंने स्पष्ट कहा कि सरकार मेले को पूरी भव्यता और व्यवस्थाओं के साथ संपन्न करवाने के लिए प्रतिबद्ध है।

महाकुंभ की तैयारियों में सहयोग के लिए जनता का धन्यवाद

दौरे के अंत में सीएम योगी ने प्रयागराज की जनता को महाकुंभ की तैयारियों में सहयोग देने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि जनता के सहयोग और प्रशासन की तत्परता से यह आयोजन विश्व स्तर पर उत्तर प्रदेश की पहचान को और मजबूत करेगा।

प्रधानी से इस्तीफा नहीं तो 25 तारीख तक पत्रकार को "मार डालने" की धमकी! वायरल ऑडियो के बाद सुआपुर प्रधान प्रतिनिधि पर FIR दर्ज

गाजीपुर। जिले में पत्रकार सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े करते हुए करण्डा थाना क्षेत्र के सुआपुर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि ओमप्रकाश सोनकर के खिलाफ एक टीवी चैनल के पत्रकार अमित उपाध्याय को जान से मारने, हाथझपैर तुड़वाने, गालीझगलौज करने तथा फर्जी मुकदमे में फँसाने की धमकी देने का मामला दर्ज किया गया है। वायरल ऑडियो सामने आने के बाद पुलिस ने गंभीर धाराओं में FIR दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही रिकॉर्डिंग में स्वयं को प्रधान बताने वाला व्यक्ति पत्रकार की मां के लिए अभद्र भाषा का प्रयोग करता सुना जा रहा है और साफझसाफ कहता है कि "25 तारीख तक हाथझपैर न तुड़वाया, मार न डाला, तो प्रधानी से इस्तीफा दे दूँगा।" ऑडियो में न केवल धमकी और अशोभनीय गालियाँ हैं, बल्कि पत्रकार का मोबाइल नंबर बताकर संदेश पहुँचाने का आदेश भी दिया जा रहा है। साथ ही एससी/एसटी एक्ट सहित कई गंभीर धाराओं में झूठा फँसाने की साजिश भी बातचीत में उजागर होती है। पत्रकार अमित उपाध्याय ने थाने में दी गई तहरीर में आरोप लगाया कि प्रधान प्रतिनिधि का क्षेत्र में कुख्यात और असामाजिक तत्वों से गहरा संबंध है, जिसके कारण उनके व परिवार के जीवन को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन्होंने पुलिस से तुरंत सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की है। अमित उपाध्याय ने कहा कि "धमकी से पूरा परिवार भयभीत है। कभी भी कोई अनहोनी हो सकती है।" मामले पर थाना प्रभारी राजनरायन ने पुष्टि करते हुए बताया कि वायरल ऑडियो व तहरीर के आधार पर FIR दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस ने जांच तेज कर दी है।

पत्रकार पर जानलेवा हमले के विरोध में लखनऊ में उबाल

हजरतगंज गांधी प्रतिमा से मुख्यमंत्री आवास तक पैदल मार्च

लखनऊ। सुदर्शन चैनल के पत्रकार पर हुए जानलेवा हमले के विरोध में राजधानी के पत्रकारों ने शनिवार को जोरदार प्रदर्शन किया। हमलावरों द्वारा पत्रकार को मरणासन्न अवस्था में छोड़कर फरार होने की घटना से पत्रकार समाज में गहरा

आक्रोश व्याप्त है। इसी विरोध में बड़ी संख्या में पत्रकारों ने हजरतगंज स्थित गांधी प्रतिमा से लेकर मुख्यमंत्री आवास तक पैदल मार्च किया। प्रदर्शन को देखते हुए लखनऊ प्रशासन पूरे दिन हाई अलर्ट मोड पर रहा। सुबह से ही गांधी प्रतिमा पर पत्रकारों का जमावड़ा शुरू हो गया और देखते ही देखते धरना स्थल पर भीड़ उमड़ पड़ी। दोपहर बाद सभी पत्रकार गांधी प्रतिमा से मुख्यमंत्री आवास की ओर कूच कर गए। प्रशासन ने रास्तों पर बैरिकेडिंग लगाकर रोकने का प्रयास किया, लेकिन पत्रकार लगातार आगे बढ़ते रहे। अंततः सभी पत्रकार राजभवन के गेट नंबर 4 पर धरने पर बैठ गए। थोड़ी देर बाद पुनः आगे बढ़ने की कोशिश की गई, जिसे नियंत्रित करने में प्रशासन को कड़ी मशक्कत करनी पड़ी।

पत्रकारों की मुख्य मांगें

हमले में शामिल सभी अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी
आरोपियों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया जाए
भविष्य में ऐसे हमलों को रोकने के लिए ठोस सुरक्षा नीति
पत्रकारों को आर्म्स लाइसेंस तत्काल प्रभाव से उपलब्ध कराया जाए ताकि वे अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें

पत्रकारों का कहना था कि जिस प्रकार खबरें लिखने के कारण लगातार पत्रकारों पर हमले हो रहे हैं, वह लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधी चोट है। हमले को किसी बड़े प्रभावशाली व्यक्ति द्वारा प्रायोजित बताया जा रहा है। उनका कहना है कि अभी तक गिरफ्तारी न होना कई गंभीर सवाल खड़े करता है।

धरने के दौरान पत्रकारों ने चेतावनी दी कि यदि आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी न की गई, तो आंदोलन और अधिक उग्र किया जाएगा।

Gorakhpur Mahotsav 2026 to Begin from January 11

Grand celebrations from January 11–13 at Champa Devi Park • Tourism Minister to inaugurate, Chief Minister to attend closing ceremony

Gorakhpur | Preparations for Gorakhpur Mahotsav 2026, one of the most prominent cultural festivals of Purvanchal, have begun in full swing. This year, the festival will be held at Champa Devi Park. A detailed review meeting regarding the preparations was conducted at the Divisional Commissioner's auditorium under the chairmanship of MP Ravi Kishan.

The three-day mega event is scheduled for January 11, 12, and 13, 2026. The opening ceremony will be inaugurated by the Tourism Minister, while the Chief Minister will grace the closing and award distribution ceremony.

Expanded Craft Fair to Run Till January 17

The craft fair accompanying the Mahotsav will be presented on an even larger scale this year. The fair will continue till January 17, 2026, showcasing the works of local artisans as well as craftsmen and entrepreneurs from across the country. Visitors will get a chance to witness a diverse range of art, products, and innovations.

Spectacular Performances by National Artists

A major attraction of this year's Mahotsav will be the performances by nationally acclaimed artists. Bhojpuri superstar Pawan Singh will energize the audience with his dynamic performance, while celebrated folk singer Maithili Thakur will mesmerize listeners with her melodious voice.

Local artists will also be given a prominent platform to showcase their talent, helping regional art and culture gain wider recognition.

Committees Formed for Smooth Management

To ensure the Mahotsav is successful and engaging, the administration and organizing committee have formed various sub-committees. These committees will oversee security, management, sanitation, stall allocation, traffic arrangements, and coordination of cultural programs.

Launch of Bharatiya News Agency (BNA) National-Level Support for Local Channels

Low-cost high-tech news service, video editing support, and 24×7 technical assistance to be provided

Uttar Pradesh | Taking a significant step in India's rapidly expanding digital media landscape, the Bharatiya News Agency (BNA) has been established with the objective of providing professional, fast, and reliable news services to local news channels operating across the country. The initiative aims to empower regional media outlets so they can deliver high-quality news to their audiences even with limited resources.

BNA Director, Engineer Shakti Shankar Singh, stated that the primary mission of the agency is to strengthen local media and make them technologically self-reliant. He explained that the agency will function similarly to how ANI delivers news to major media houses at the national level, but BNA's core focus will remain on supporting local and regional news platforms.

Special Camp Held Today in Gorakhpur's Ward No. 35 for Filling SIR Forms

Gorakhpur | As per the directives of the Election Commission of India, a special camp was organized today in Ward No. 35 for filling out SIR (Self-Information Revision) forms. For Booth Numbers 48 to 55, the BLO and BLA camp was set up at Composite School, Jungle Salikram, while for Booth Numbers 56 to 60, the camp was operated at Composite School, Shivpur Shahbazganj.

The camp ran from 10 AM to 5 PM, during which a large number of voters participated and submitted their SIR forms. According to the Election Commission, the SIR process is mandatory for all voters to ensure the electoral roll remains clean, accurate, and updated.

Ward Councillor Mrs. Sarita Yadav, wife of Mr. Sudhir Yadav (Ward No. 35, Salikram Nagar), appealed to all residents to ensure that every eligible voter in their family, as well as neighbors, fills out the SIR form without fail.

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, शक्ति शंकर द्वारा फाईन आफसेट प्रिंटर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्शीपुर, जनपद–गोरखपुर से मुद्रित कराकर, मुहल्ला–द्वितीय तल पुष्पांजलि काम्प्लेक्स शाही मार्केट, गोलघर, जनपद–गोरखपुर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक :
शक्ति शंकर
मो नं.
7233999001
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र गोरखपुर न्यायालय होगा।